नई दिल्ली
बुधवार
08 दिसम्बर 2021
वर्षः 08, अंकः 95
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदभावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 886 अंक और निफ्टी 264 अंक उछला पेज-06

F2/S-37/Press-2014

भारत-बंगलादेश की दोस्ती के 50 साल, हसीना ने जतायी खुशी पेज-05

जब डबल इंजन की सरकार होती है तो काम भी दोगुनी गति से होता है: मोदी

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उर्वरक कारखाने, नवनिर्मित एम्स और आईसीएमआर के अत्याधुनिक शोध केन्द्र सहित अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया

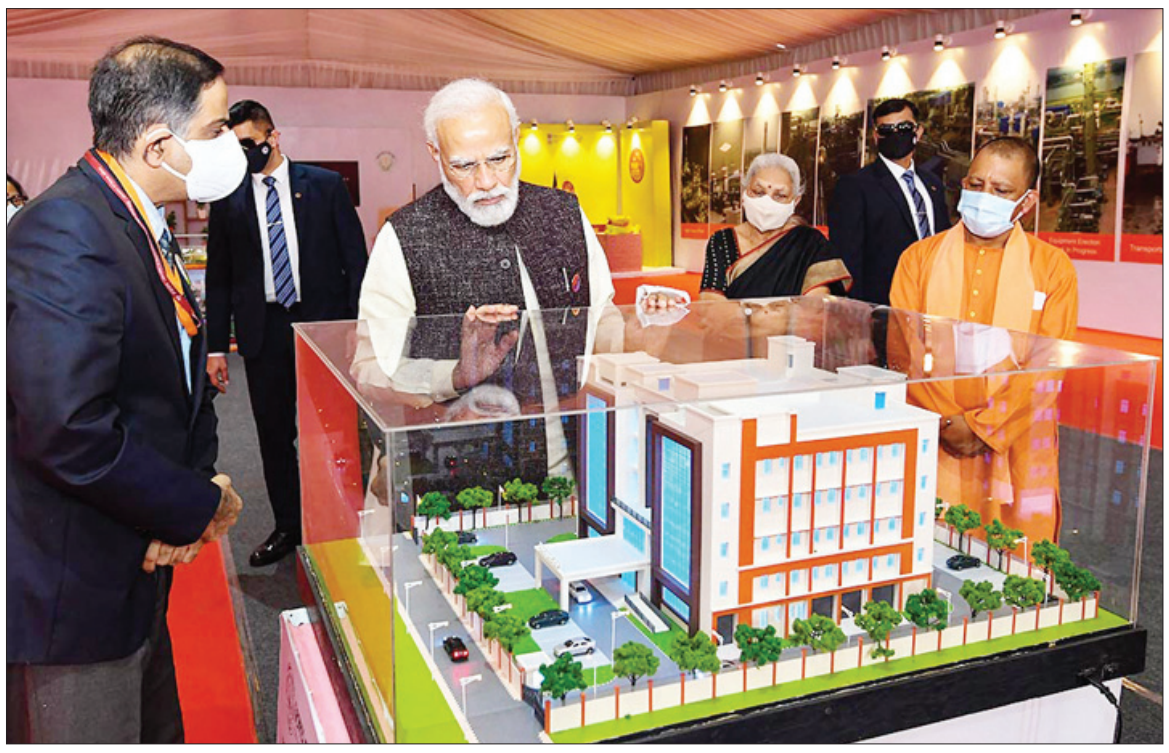

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पिछले 30 साल से उर्वरक कारखाना बंद पड़े रहने के लिये पिछली सरकारों की मंशा को दोषी ठहराते हुये मंगलवार को कहा कि जनहित के कामों के लिये सरकार की सोच जब ईमानदार होती है तो कोई भी बाधा रुकावट नहीं डाल सकती। मोदी ने यहां उर्वरक कारखाने, नवनिर्मित एम्स और आईसीएमआर के अत्याधुनिक शोध केन्द्र सहित अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुये कहा, जब गरीब-शोषित-वंचित की चिंता करने वाली सरकार होती है, तो वो परिश्रम भी करती है, परिणाम भी लाकर दिखाती है।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर में उर्वरक कारखाना, एम्स और मेडिकल रिसर्च सेंटर का शुरू होना एक संदेश दे रहा है कि जब डबल इंजन की सरकार होती है तो काम भी तेज होता है। जब सोच ईमानदार हो तो कोई भी रुकावट बाधा नहीं डाल सकती। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डा दिनेश शर्मा सहित केन्द्र और राज्य सरकार के विभिन्न मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा, पांच साल पहले मैं, यहां एम्स और खाद कारखाने का शिलान्यास करने आया था। आज इन दोनों का एक साथ लोकार्पण करने का सौभाग्य भी आपने मुझे ही दिया है। आईसीएमआर के रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर को भी आज अपनी नई बिल्डिंग मिली है। मैं यूपी के लोगों को बधाई देता हूं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत पूर्वांचल में बोली जाने वाली भोजपुरी भाषा में करते हुये धर्म और आध्यात्म की नगरी गोरखपुर के लोगों को देवतुल्य बताकर उनका अभिवादन किया।

मोदी ने देश में उर्वरक के दुरुपयोग को रोकने के लिये किये गये उपायों का जिक्र करते हुये कहा, ''हमने यूरिया का गलत इस्तेमाल रोका, यूरिया की 100 प्रतिशत नीम कोटिंग की। हमने करोड़ों किसानों को %सॉइल हेल्थ कार्ड दिए ताकि उन्हें पता चल सके कि उनके खेत को किस तरह की खाद की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूरिया के उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर ही बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से खोलने पर ताकत लगाई। मोदी ने कहा कि उर्वरक संयंत्र के शिलान्यास के समय उन्होंने कहा था कि इस कारखाने के कारण, गोरखपुर पूरे क्षेत्र में विकास की धुरी बनकर उभरेगा। आज यह सच साकार हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह कारखाना राज्य के अनेक किसानों को पर्याप्त यूरिया तो देगा ही, इससे पूर्वांचल में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

संसद में उपस्थित रहकर विधायी कार्यों में भागीदारी निभाएं भाजपा सांसद: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के सभी सांसदों को संसद में उपस्थित रहकर विधायी कार्यो में सक्रिय भागीदारी निभाने के निर्देश दिये हैं।

सूत्रों के अनुसार भाजपा संसदीय दल की बैठक में श्री मोदी ने पार्टी के सभी सांसदों को संसद में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि बार-बार बच्चों की तरह आप लोगों को एक ही बात कहना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि आप लोग अपने-अपने व्यवहार में परिवर्तन लाइए नहीं तो परिवर्तन हो जाता है। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के सभी सांसदों को संसद के शीतकालीन सत्र के बाद अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में जाकर पार्टी के जिला और मंडल अध्यक्षों के साथ संवाद करने और उन्हें चाय पर चर्चा के लिए बुलाने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वो 14 दिसंबर को वाराणसी में अपने संसदीय क्षेत्र के जिला और मंडल अध्यक्षों को चाय पर बुलाएंगे। संसदीय दल की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने संवाददाताओं से कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों को सांसद खेल स्पर्धा, सांसद तंदुरुस्त बाल स्पर्धा और सूर्य नमस्कार स्पर्धा का आयोजन करने के साथ-साथ अपने -अपने क्षेत्रों में रहने वाले पद्म पुरस्कार विजेताओं के संपर्क में रहने और उनके साथ निरंतर संवाद करने का भी निर्देश दिया।

'भारतीय संविधान:अनकही कहानी' का लोकार्पण करेंगे मोदी

नई दिल्ली। जाने माने पत्रकार एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय भारत के संविधान बनने के पीछे की अनकही पार्श्वकथा को कलमबद्ध कर आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सुधी पाठकों के लिए प्रस्तुत करने जा रहे हैं। इस शोधपरक पुस्तक का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को करेंगे। इसकी भूमिका के अनुसार यह पुस्तक भारतीय संविधान के ऐतिहासिक सच, तथ्य, कथ्य एवं यथार्थ की कौतूहलता का सजीव चित्रण करती है। इस पुस्तक में संविधान की कल्पना, अवधारणा और उसका उलझा इतिहास समाहित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक के कई अध्याय से समाज में प्रचलित कुछ धारणाओं को खंडित करने वाले हैं और इन धारणाओं के चटकने की गूंज आने वाले दिनों में राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय तक बनी रह सकती है। इक्यावन अध्याय और 501 पृष्ठों में समायी इस पुस्तक में संविधान सभा की रचना, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का संविधान सभा का अध्यक्ष चुने जाने से लेकर राष्ट्रीयता की परिभाषा, मुस्लिम लीग की प्रेत बाधा, भारत के विभाजन की नींव, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पहल, महात्मा गांधी पर दो बड़े प्रश्न, संविधान का अज्ञात काल, सत्ता का हस्तांतरण, राजद्रोह की वापसी आदि प्रमुख अध्यायों में तमाम ऐसी ऐसी बातें हैं जिनके बारे में जनसाधारण अब तक अनभिज्ञ है।

सरकार के प्रस्ताव पर आज की बैठक में होगा निर्णय: संयुक्त किसान मोर्चा

नई दिल्ली,एजेंसी। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि आंदोलन समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर बुधवार की बैठक में फ़ैसला लिया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने आज सरकार से एक लिखित मसौदा प्रस्ताव प्राप्त होने की पुष्टि की है। सिंघु बॉर्डर पर एसकेएम की बैठक में किसान नेताओं ने इस प्रस्ताव पर रचनात्मक चर्चा की। मोर्चा सरकार के प्रस्ताव के कुछ बिंदुओं पर और स्पष्टीकरण मांगेगा और आगे की चर्चा के लिए बुधवार को दोपहर 2 बजे फिर से बैठक करेगा। मोर्चा को सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है। मोर्चा ने कहा कि केंद्र की तरफ से भेजे गए प्रस्ताव के मसौदे पर पूरी तरह सहमति नहीं बनी है। एमएसपी पर कमेटी को लेकर कुछ आपत्ति है। आंदोलन वापसी की शर्त पर भी एतराज है। आंदोलन वापसी पर ही केस वापस लेने की बात की गई है। हम सरकार की शर्त मानने को तैयार नहीं हैं। एसकेएम ने कहा कि आंदोलन की वापसी पर बुधवार को दोपहर दो बजे होने वाली बैठक में फैसला लिया जाएगा। मोर्चा ने कहा कि आंदोलन में 700 से अधिक किसानों ने जान गंवाई है जिनके लिए पंजाब सरकार ने पाँच लाख रुपये मुआवजा और परिवार में एक को सरकारी नौकरी की बात की है। यही मॉडल केंद्र सरकार को भी लागू करना चाहिए। गौरतलब है कि संसद के शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लिये जाने की घोषणा कर दी थी और सत्र के पहले दिन इन कानूनों को रद्द करने का बिल संसद से पास हो गया। इसके बावजूद अब तक किसानों का आंदोलन जारी है।

असमिया कवि नीलमणि फूकन, कोंकणी साहित्यकार दामोदर मौउजो को ज्ञानपीठ सम्मान

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रसिद्ध असमिया कवि नीलमणि फूकन और कोंकणी साहित्यकार दामोदर मौउजो को क्रमशः वर्ष 2021 और वर्ष 2022 के लिए 56वां और 57वां ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा की गई। ज्ञानपीठ पुरस्कार चयन समिति ने इन पुरस्कारों का ऐलान किया। ये पुरस्कार विजेताओं को विशेष समारोह में दिए जाएंगे, जिसका आयोजन बाद में किया जाएगा। ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत की 22 भाषाओं की उत्कृष्ट रचनाओं के लिए दिए जाते हैं। इसके तहत विजेता को 11 लाख रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा प्रदान की जाती है। ज्ञानपीठ चयन समिति की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सूर्य हेनो नामि अहे एई नादियेदी, मानस-प्रतिमा और फुली ठका, सूर्यमुखी फुल्तोर फाले जैसी कृतियों के रचयिता, 1933 में जन्मे नीलमणि फूकन असमिया कविता में विशेष स्थान रखते हैं। उनका कैनवास विशाल है, उनकी कल्पना पौराणिक है, उनकी आवाज लोक-आग्रह बोली है, उनकी चिंताएं राजनीतिक से लेकर कॉस्मिक तक, समकालीन से लेकर आदिम तक हैं।

कोंकणी लेखक दामोदर मौउजो का जन्म 1944 में हुआ। वह समकालीन कोंकणी साहित्यिक परिदृश्य का चर्चित चेहरा हैं। लगभग पचास साल के अपने लेखन में उन्होंने कहानियां, उपन्यास, आलोचना और बाल साहित्य की रचना की है। उनकी कहानियों में प्रेम का प्रबल प्रवाह है। मौउजो की कहानियां स्त्री केन्द्रित हैं और उनमे स्त्री का साहसी चरित्र उभरता है। उन्होंने अपनी रचनाओं में मानवीय संबंधों, सामाजिक बदलावों जातिवाद आदि मुद्दे प्रमुखता से आये हैं। ज्ञानपीठ के 56वें और 57वें पुरस्कारों के लिए गठित चयन समिति की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार श्रीमती प्रतिभा राय ने की। समिति के अन्य सदस्यों में श्री माधव कौशिक, श्री सैय्यद मोहम्मद अशरफ, प्रो. हरीश त्रिवेदी, प्रो. सुरंजन दास, प्रो. पुरुषोत्तम बिल्माले, श्री चंद्रकांत पाटिल, डॉ. एस. मणिवालन, श्रीमती प्रभा वर्मा, प्रो. असग़र वजाहत और मधुसुदन आनन्द शामिल थे। श्री फूकन को पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें इससे पहले साहित्य अकादेमी पुरस्कार (1981) सहित असम वैली अवार्ड (1997), साहित्य अकादेमी फैलोशिप (2002) आदि से भी सम्मानित किया गया है। उनकी रचनाएं कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनूदित हो चुकी हैं। दामोदर मौउजो की छह कहानी संग्रह, चार उपन्यास, दो आत्मकथात्मक कृतियाँ और बालसाहित्य प्रमुख हैं। अंगवान, खिल्ली, कर्मेलिन, सूद, गोयेम्बाब और सुनामी सिमोन आदि प्रमुख प्रकाशित कृतियां हैं। श्री मौउजो को साहित्य अकादेमी पुरस्कार, गोवा कला अकादेमी साहित्य पुरस्कार, कोंकणी भाषा मंडल साहित्य पुरस्कार आदि से सम्मानित किया जा चूका है।

सुधा भारद्वाज की जमानत के खिलाफ एनआईए की अपील सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में सामाजिक कार्यकर्ता एवं वकील सुधा भारद्वाज की बॉम्बे उच्च न्यायालय से मंजूर जमानत को चुनौती देने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अर्जी मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति यू. यू. ललित, न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट्ट और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने अपील खारिज की। पीठ ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले से सहमति जताते हुए उसे कानून सम्मत बताया और किसी तरह के हस्तक्षेप से साफ तौर पर इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने सुधा की जमानत बरकरार रखा। उच्च न्यायालय ने 28 अक्टूबर, 2018 से जेल में बंद सुधा भारद्वाज की जमानत की अर्जी गत एक दिसंबर को स्वीकार की थी। उनकी जमानत की शर्तें तय करने के लिए आठ दिसंबर की तारीख मुकर्रर की गई है। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सोमवार को एनआईए की ओर से %विशेष उल्लेख% के तहत अपील पर शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई गई थी। उच्च न्यायालय के सुश्री सुधा की जमानत मंजूर करने के आदेश के खिलाफ एनआईए ने दो दिसंबर को उच्चतम न्यायालय में अपील की थी। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के कल्याण के लिए कार्य करने वाली सुधा पर माओवादियों की मदद करने के आरोप हैं।

उच्चतम न्यायालय ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस फैसले से सहमति जतायी, जिसमें एनआईए को आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों से अधिक का समय देने की अनुमति प्रदान करने वाली एक अदालत के अधिकार क्षेत्र को अनुचित पाया गया था। आरोपी सुधा की ओर से उच्च न्यायालय के समक्ष तर्क दिये गये थे कि जिस न्यायाधीश ने आरोप पत्र दाखिल करने की अवधि 90 दिनों से अधिक देने की अनुमति दी थी, उसे केंद्र सरकार द्वार नामित नहीं किया गया था।

सदन नहीं चलने देने के लिए सरकार जिम्मेदार: विपक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने राज्य सभा में कार्यवाही नहीं चलने देने के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि विपक्ष के सदस्यों को नियम के तहत निलम्बित नहीं किया गया है, इसलिए उनका निलम्बन तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को यहां संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि जिस घटना के लिए सदस्यों को निलम्बित किया गया वह 11 अगस्त को हुई थी लेकिन सरकार ने गैरकानूनी काम कर सदस्यों को अगले सत्र में निलम्बित किया है जबकि नियम यह है कि सदन के अनिश्चितकाल के लिए स्थिगित होने के बाद पहले सत्र की गतिविधियों को लेकर सदस्यों को अगले सत्र में निलम्बित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह लगातार सभापति से आग्रह कर रहे हैं कि इन सदस्यों का निलम्बन गलत है और निलम्बित किये गये 12 सदस्यों के निलम्बन को रद्द किया जाय लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हैं। हर घंटे सदन स्थगित हो रहा है। सरकार सदन को नहीं चलाना चाहती है और समसामयिक मुद्दों पर बहस नहीं चाहती है, इसलिए विपक्ष के आग्रह को नहीं माना जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि सरकार निलम्बन वापस नहीं लेती है तो जहां ये सदस्य धरने पर बैठे हैं, वहां उनकी पार्टी के सदस्य एक दिन का उपवास करेंगे। उन्होंने लोकसभा में पार्टी के सदस्यों से भी इस उपवास में शामिल होने का आग्रह किया है। द्रमुक के त्रिची शिवा ने कहा कि सरकार मनमानी कर रही है। उन्होंने कहा कि सदन में जब कृषि कानून को वापस लेने का विधेयक आया तो विपक्ष के लोग इस बारे में कुछ कहना चाहते थे लेकिन सरकार ने दो मिनट के भीतर ही बिना चर्चा के इस विधेयक को वापस ले लिया।

ओमिक्रॉन संकट: अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एयर सुविधा पोर्टल पर स्व-घोषणा अनिवार्य

नई दिल्ली। भारत में आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सुगम यात्रा को सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एयर सुविधा पोर्टल पर संपर्क रहित स्व-घोषणा को अनिवार्य कर दिया है। कोरोना वायरस के नए रूप ओमिक्रॉन के संक्रमण के उभरते संकट के मद्देनजर जारी नये निर्देशों के तहत अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए विमान पर बैठने से पहले अपने स्वास्थ्य की स्थिति की रिपोर्ट और साथ में कुछ अन्य कागजात 'एयर सुविधा' पोर्टल पर चढ़ाना जरूरी है। ओमिक्रॉन के प्रसार को देखते हुए जिन 13 क्षेत्रों/ देशों को जोखिम वाले देश घोषित किया गया, वहां से आने वाले यात्रियों को भारत आगमन पर भी स्वास्थ्य की जांच कराना अनिवार्य किया गया है। नागर विमान मंत्रालय के अनुसार अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को भारत की यात्रा शुरू करने से पहले अपने पासपोर्ट की प्रति, 72 घंटे पहले की पीसीआर निगेटिव प्रमाण तथा कोविड टीके का प्रमाण पत्र 'एयर सुविधा' पर चढ़ाना और उसकी ई-मेल पावती को दिखाना अनिवार्य होगा।

सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट जजों की पेंशन में सुधार संबंधी विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को मिलने वाली पेंशन के साथ एक निश्चित आयुसीमा पार करने पर मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन राशि की सुविधा प्रदान करने वाला विधेयक आज लोकसभा में पेश किया गया। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिरिजू ने आज यहां लोकसभा में उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (वेतन एवं सेवा शर्त) संशोधन विधेयक, 2021 को पेश किया।

श्री रिजिजू ने कहा कि इस विधेयक में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की पेंशन सुविधा में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है और वह चर्चा के बाद उत्तर में अपनी बात कहेंगे। कांग्रेस के शशि थरूर ने चर्चा आरंभ करते हुए कहा कि उनकी पार्टी विधेयक का समर्थन करती है। साथ ही उन्होंने जनहित से जुड़े मुद्दों पर इन ऊंची अदालतों के रवैये पर निशाना भी साधा। उन्होंने विभिन्न उदाहरण देकर कहा कि न्यायाधीश पूर्वाग्रह या राजनीतिक आग्रहों के आधार पर मनमानी करते हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयुसीमा 62 से बढ़ा कर 65 करने और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की आयुसीमा 68 वर्ष करने के बारे में सरकार क्या करने वाली है। श्री थरूर ने अयोध्या एवं कुछ अन्य विवादित मामलों में न्यायाधीशों की भूमिका पर टिप्पणी की तो संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने आपत्ति की। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच कुछ क्षणों तक नोंकझोंक भी हुई।

सत्ता पक्ष की ओर से श्री पी पी चौधरी ने कहा कि सेवाशर्तों में बदलाव भी न्यायिक सुधारों का अंग है। उन्होंने कहा कि न्यायिक सुधार केवल रिक्त स्थान पर भर्ती करने से ही संबंधित नहीं है। उन्होंने न्यायाधीशों के चयन को लेकर बनी कॉलेजियम प्रणाली को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जोसेफ कुरियन के हवाले से कहा कि यह कॉलेजियम की प्रणाली अपारदर्शी एवं जवाबदेही रहित है। उन्होंने न्यायिक क्षेत्र में अवसंरचनात्मक सुधारों के बारे में भी बात की। विधेयक में उच्च न्यायालय न्यायाधीश (वेतन एवं सेवा शर्त) अधिनियम, 1954 और सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश (वेतन एवं सेवा शर्त) अधिनियम, 1958 में सुधार करने का प्रस्ताव किया गया है। ये कानून भारत के उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन और सेवा की शर्तों का नियमन करते हैं। इन कानूनों के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य पेंशन या पारिवारिक पेंशन के हकदार होते हैं। उन्हें एक निर्दिष्ट पैमाने के अनुसार एक निश्चित आयु प्राप्त करने पर पेंशन या पारिवारिक पेंशन की अतिरिक्त राशि भी मिलती है। इस पैमाने में पांच आयु वर्ग हैं (न्यूनतम 80, 85, 90, 95 और 100 वर्ष) और आयु के साथ पेंशन या पारिवारिक पेंशन की राशि में 20 से 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त राशि बढ़ती जाती है।

चन्नी ने महिलाओं को भिखारी, बेकार बताकर उनका अपमान किया है: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/पंजाब। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दुनिया का सबसे बड़ा महिला अधिकारिता अभियान शुरू किया और करतारपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव सराय खास से 'आप' की तीसरी गारंटी पंजीकरण की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में केजरीवाल ने मिस्ड कॉल नंबर 911-511-5599 जारी किया और 'आप' की तीसरी गारंटी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू किया। श्री केजरीवाल ने कहा कि महिलाओं को इस नंबर पर सिर्फ एक मिस्ड कॉल देनी होगी और उन्हें राज्य में आप सरकार बनने के बाद 1000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। इससे पहले करतारपुर पहुंचने पर, अरविंद केजरीवाल ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका और पंजाब की समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की।

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

आप द्वारा गांव सराय खास में आयोजित एक कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, पंजाब सहित हमारे देश की महिलाएं बहुत मेहनती हैं। 1000 रुपये प्रति माह उनके सशक्तीकरण और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए है। जब पिछले शासकों और राजनीतिक नेताओं, जिन्होंने लाखों-करोड़ों करदाताओं के पैसे का गबन किया है, और अभी भी पंजाब को लूट रहे हैं, तो सिर्फ 1000 रुपये प्रति माह कैसे मेरी माताओं और बहनों को आलसी बना देगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा दी गई तीसरी गारंटी के रूप में महिलाओं को 1000 रुपये देने का निर्णय लिया गया है और गांव सराय खास से एक पंजीकरण अभियान शुरू किया गया है जिसके लिए एक मोबाइल नंबर 911-511-5599 जारी किया गया है। राज्य की महिलाएं इस मोबाइल नंबर पर मिस्ड कॉल देकर तीसरी गारंटी के लिए अपना नाम दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने कहा कि आप के स्वयंसेवक और नेता हर क्षेत्र का दौरा करेंगे और 1000 रुपये देने के लिए महिलाओं के नाम दर्ज करेंगे और सभी महिलाओं को अपना नाम दर्ज कराना होगा। इस मौके पर केजरीवाल ने खुद तीसरी गारंटी के लिए कई महिलाओं के नाम दर्ज कराए। श्री केजरीवाल ने कहा कि श्री चन्नी ने आरोप लगाया है कि उन्हें एक हजार रुपये प्रति माह मिलने से महिलाएं बेकार हो जाएंगी, तो उन्होंने महिलाओं से पूछा कि क्या इस तरह के आरोपों में कोई सच्चाई है। जिस पर महिलाओं ने जवाब दिया, 'महिलाएं आलसी नहीं होंगी और न ही 1000 रुपये प्रति माह की आर्थिक मदद के साथ आराम करेंगी। अगर भ्रष्ट राजनेता करोड़ों रुपये पचने के बाद भी नहीं रुक रहे हैं तो वे हमला क्यों कर रहे हैं, जब कोई हमारी मदद करने की कोशिश कर रहा है। श्री केजरीवाल ने कहा कि इनमें से ज्यादातर नेता इस

गारंटी के फंड को लेकर सवाल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, पंजाब में 20 हजार करोड़ रुपये की रेत चोरी हो रही है। ऐसे माफिया मुख्यमंत्री चन्नी के संसदीय क्षेत्र में सक्रिय हैं। रेत की इस चोरी में अन्य नेता भी शामिल हैं। हम इस चोरी को रोकने के लिए सरकार बनाएंगे और इस पैसे से महिलाओं को 1,000 रुपये देने की व्यवस्था करेंगे और यह पंजाब में महिलाओं को सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि वह पिछले सात वर्षों से दिल्ली में एक सफल सरकार चला रहे हैं और अगर उनकी पार्टी दिल्ली में ऐसा कर सकती है, तो वे पंजाब में भी ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने राज्य में स्कूलों, अस्पतालों और चिकित्सा उपकरणों को बेहतर बनाने का वादा किया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की तरह पंजाब में एक बार आप की सरकार बनने के बाद बाकी राजनीतिक दल अपनी जमीन खो देंगे। केजरीवाल के मुताबिक, पंजाब का भविष्य बदलेगा, लोगों का भविष्य बदलेगा और पंजाब में फिर कोई अन्य पार्टी सत्ता में नहीं आएगी। सभा को संबोधित करते हुए, आप पंजाब के अध्यक्ष और सांसद भगवंत मान ने कहा कि समय बदल गया है और पंजाब की महिला मतदाता अपना वोट खुद तय करेंगी और वे अपने बच्चों की उच्च मुद्रास्फीति और बेरोजगारी को अपने दिमाग में रखेंगे। उन्होंने कहा, 'कोई भी सरकार हमारी गरीबी को कम नहीं कर सकती, ऐसा सुधार शिक्षा और रोजगार से ही संभव है। इसलिए भ्रष्ट राजनीतिक नेता इन क्षेत्रों की उपेक्षा करते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि हमारे बच्चे शिक्षित और नियोजित हों। उन्होंने कहा कि परेशान माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेज रहे हैं, लेकिन यह बदलने वाला है। उन्होंने लोगों से आप को एक मौका देने और अपनी सरकार बनाने को कहा ताकि हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और युवाओं को रोजगार मिले। भगवंत मान ने कहा कि लोगों को उनके टैक्स के पैसे से सुविधा देना मुफ्तखोरी नहीं है। इस मौके पर आप सुप्रीमो और पंजाब अध्यक्ष के साथ हरपाल चीमा (नेता विपक्ष), राघव चड्ढा (सह-प्रभारी पंजाब), जरनैल सिंह (राजनीतिक मामलों के प्रभारी, पंजाब) और कुंवर विजय प्रताप सिंह और बलकार सिंह मौजूद थे।

आधुनिक कुओं से लोगों तक पहुंचेगा पीने का साफ पानी: सत्येंद्र जैन

सैफुल्लाह सिद्दिकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि उनकी सरकार की ओर से नई तकनीक से बनाए गए आधुनिक कुओं की मदद से अब पूर्वी दिल्ली के लाखों लोगों को पीने का साफ पानी पहुंच सकेगा। श्री जैन ने मंगलवार को यहां सोनिया विहार स्थित दिल्ली जल बोर्ड के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां बने नए 'मॉडर्न रेनी वेल' (आधुनिक कुओं) का मुआयना किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने यहां 30 'मॉडर्न एक्सट्रैक्शन वेल' यानी आधुनिक कुओं का निर्माण कराया है, जो साधारण कुओं के मुकाबले छह से आठ गुना ज्यादा पानी उपलब्ध कराने की क्षमता रखते हैं। 'एक्सट्रैक्शन वेल' उन कुओं को कहा जाता है, जहां से पानी निकाल कर उसे ट्रीट कर घरों तक सप्लाई किया जाता है। इस आधुनिक कुएं के बनने से पानी की सप्लाई अब 25-30 फीसद तक बढ़ जाएगी।

प्रत्येक कुएं की क्षमता प्रतिदिन 1.2 से 1.6 मिलियन गैलन पानी सप्लाई करने की है। इससे पूर्वी दिल्ली के इलाकों मे पीने की पानी की समस्या का समाधान किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने सोनिया विहार वॉटर ट्रीटमंट प्लांट के परिसर में आधुनिक रूप से डिजाइन किए गए 30 कुओं का निर्माण किया है। ये 30 कुएं पायलट प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए थे, जिसका मकसद यह जानना था कि क्या नए और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके पानी की उपलब्धता को बढ़ाया जा सकता है या

नहीं। उन्होंने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट 100 फीसद सफ़ल रहा और दिल्ली सरकार अब ऐसे 70 और कुएं परिसर में बनाएगी। इन आधुनिक कुओं की मदद से हमें प्रति दिन 1.2 से 1.6 मिलियन गैलन पानी उपलब्ध होगा, जो एक आम ट्यूबवेल के मुकाबले छह से आठ गुना ज्यादा है। इसके बन जाने से पूर्वी दिल्ली में अब पानी की सप्लाई 25-30 फीसद तक बढ़ जाएगी। जल मंत्री ने कहा कि आधुनिक रेनी वेल के माध्यम से पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी और जल उपचार संयंत्रों को सप्लाई किए जाने वाले पानी की मात्रा में ज़बरदस्त इजाफ़ा होगा। यह कुआं दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग और बाढ़ एवं सिंचाई विभाग के सांझा प्रयासों से बनाया गया है। यह एक उदाहरण है कि अगर सभी डिपार्टमेंट साथ मिल कर किसी काम को करें, तो न सिर्फ काम को जल्दी पूरा किया जा सकता है, बल्कि इसमे इनोवेशन की संभावना भी बढ़ जाती है।

कलयुगी पिता ने मासूम को दीवार में पटक कर मार डाला

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। पत्नी से झगड़ा होने पर एक युवक ने तीन माह के बेटे के सिर को दीवार पर पटक-पटकर उसकी हत्या कर दी। बच्चे की सिर की हड्डियां चूर-चूर हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि घटना के समय आरोपित नशे में धुत था। शुरुआती जांच में पता चला कि महिला आजादपुर मंडी में काम करती थी। दंपति के बीच बच्चे की देखभाल करने की बात को लेकर आए दिन झगड़ा होता था। डीसीपी बिजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि आरोपित युवक की पहचान रवि के रूप में हुई है। पुलिस को तीन दिसंबर की रात करीब साढे दस बजे सूचना मिली कि मंगल बाजार रोड, समता विहार में एक युवक ने अपने ही तीन माह के बेटे की हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घर के बाहर लोगों का जमावड़ा लगा था। कमरे के दीवार और फर्श पर खून बिखरा हुआ था। कमरे में महिला अपने खून से सने बच्चे को कलेजे स लगाकर बिलख रही थी। जबकि बच्चे का पिता नशे में धुत वहां बैठा था। उसके चेहरे पर घटना को लेकर कोई पछतावा नहीं था। पुलिस ने महिला के पास से बच्चे को अपने कब्जे में लेकर उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे का सिर फट चुका है और हड्डी चकनाचुर हो गया है। पुलिस ने आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

अवैध हथियार की तस्करी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया है। एक मामले में जहां आरोपित को 12 अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया है तो वहीं दूसरे मामले में दो तस्करों से 15 अवैध पिस्तौल मिली हैं। दोनों गैंग मध्य प्रदेश से अवैध हथियार लेकर उसे दिल्ली एनसीआर में सप्लाई करते थे।

डीसीपी राजीव रंजन के अनुसार, पहले मामले में स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि हथियार की तस्करी में शामिल मध्य प्रदेश निवासी नीलेश सराय काले खां इलाके में आएगा। वह दिल्ली एनसीआर के बदमाशों को अवैध हथियार की खेप देता है। इस जानकारी पर इंस्पेक्टर रविंदर त्यागी और राहुल कुमार की टीम ने छापा मारकर निलेश को सराय काले खां के पास से पकड़ लिया। उसके बैग से 12 पिस्तौल बरामद हुए। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि उसका नाम योगेश पटेल है। वह एक प्रोफेशनल डीजे है। जल्दी रुपए कमाने की चाहत में वह हथियारों की तस्करी करने

लगा। गिरफ्तार किया गया योगेश पटेल मध्य प्रदेश के दमोह का रहने वाला है। वह 12वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसे संगीत का काफी शौक है और वह अपने क्षेत्र की शादियों में डीजे का काम करता है। वर्ष 2019 में एक शादी समारोह के दौरान वह एक तस्कर के संपर्क में आया था। लालच में आकर वह उसके लिए हथियारों की तस्करी करने लगा। सितंबर 2021 में भी वह दिल्ली में आकर हथियारों की सप्लाई कर लौटा था। वह आठ से 10 हजार रुपये में खरीदी गई पिस्तौल को 25 से 30 हजार रुपये में बेचता था। दूसरे मामले में छह दिसंबर को पुलिस टीम को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश से अवैध हथियार के तस्कर रोहिणी इलाके में आने वाले है। इस जानकारी पर रोहिणी इलाके में पुलिस टीम ने जाल बिछाया और दोपहर के समय दो युवक एक स्विफ्ट डिजायर कार में वहां पर पहुंचे जिन्हें पुलिस टीम ने पकड़ लिया। इनकी पहचान पंकज कुमार और जितेंद्र के रूप में की गई। उनके पास से 15 पिस्तौल बरामद की गई है। इसे लेकर आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है। आरोपित पंकज कुमार भारद्वाज अलीगढ़ का रहने वाला है। वह 12वीं कक्षा तक पढ़ा हुआ है। वह कई रेसलिंग टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुका है। इस वर्ष 2019 में वह पवन के संपर्क में आया जो अवैध हथियारों की तस्करी करता है। उसके साथ वह जल्दी रुपए कमाने के लिए हथियारों की तस्करी करने लगा। कुछ समय बाद उसने अपना ही काम शुरू कर दिया। उसने अपने इस काम में जितेंद्र को ड्राइवर की तरह रखा हुआ था। वह मध्य-प्रदेश के खरगोन जाते और वहां से हथियार लाकर उसे दिल्ली एनसीआर में सप्लाई करते थे।

सदर बाजार इलाके में कोरोना नियमों का कड़ाई से पालन कराए दिल्ली पुलिस: हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वो सदर बाजार इलाके में कोरोना से जुड़े दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराए। जस्टिस रेखा पल्ली की बेंच ने ये आदेश दिया। याचिका वकील शालेन भारद्वाज ने दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि सदर बाजार इलाके में कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। याचिका में मांग की गई है कि कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करा पाने वाले पुलिस अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ता ने कहा कि अगस्त महीने में मास्क नहीं पहनने की वजह से सदर बाजार इलाके में उनका चालान काटा गया था। याचिकाकर्ता को जब सदर बाजार थाने में ले जाया गया, तो वहां उन्होंने देखा कि अधिकांश पुलिसकर्मियों ने मास्क और हेलमेट नहीं पहन रखा था, जो कोरोना दिशा-निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन था। याचिकाकर्ता ने दिल्ली पुलिस एक्ट की धारा 83 के तहत सदर बाजार इलाके में चल रही अनाधिकृत गतिविधियों की कई शिकायतें की थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब शिकायतकर्ता ने संबंधित डीसीपी के दफ्तर जाकर स्थानीय पुलिसकर्मियों की शिकायत करने पहुंचा, तो वहां भी देखा की अधिकांश पुलिस कर्मी बिना मास्क के थे। याचिका में उन पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई थी, जो कोरोना के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे।

आवासीय क्षेत्रों में शराब की दुकानें न खोली जाए-आदेश गुप्ता

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने केजरीवाल सरकार को आगाह करते हुए कहा कि रिहायशी क्षेत्रो में शराब की दुकानें न खोली जाए और जो दुकानें खुली हुई है उन्हें तुरंत बंद किया जाए नहीं तो निगम इस पर कड़ी कार्रवाई करेगी। इसके लिए तीनों निगमों को साफ तौर पर आदेश दिए गए हैं। गुप्ता ने पटेल नगर में आज नई आबकारी नीति के तहत रिहायशी इलाकों में शराब की दुकानें खोले जाने के विरोध में हुए प्रदर्शन में कहा कि जो नई शराब की दुकानें खोली जा रही हैं उनमें से अधिकतर दुकानें गैर-पुष्टि क्षेत्र, आवासीय क्षेत्रों और यहां तक कि विद्यालय और धार्मिक स्थल के आसपास और ग्रामीण क्षेत्रों में खोली जा रही है और जो निगम के दिशा निर्देशानुसार या दिल्ली मास्टर प्लान 2021 का पालन न करता हो, उन दुकानों पर तुंरत रोक लगाई जाए। अगर कोई दुकान इन नियमों का पालन न कर रहा है तो उसे तीन दिन के अंदर बंद कर दिया जाएगा। पंजाब में

जाकर नशामुक्ति की बात करने वाले केजरीवाल दिल्ली को शराब नगरी बनाने पर तुले हुए हैं।

गुप्ता ने नई आबकारी नीति के तहत खोले गए शराब की दुकानों में दो दुकानों को बंद करवाने के लिए पटेल नगर मार्केट एसोसिएशन को धन्यवाद देते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल स्वयं और पार्टी की फंडिंग के लिए नई शराब की दुकानें खोलने का काम कर रहे हैं। गोवा और उत्तराखंड में जाकर चुनावी वायदें कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली में सरकार रहते हुए भी वे उन बातों पर अमल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में नई आबकारी नीति लागू करने के पीछे सरकार ने वजह बताई कि इससे राजस्व में बढ़ोतरी होगी जबकि हकीकत ये है 65,000 करोड़ रुपये का दिल्ली का बजट है। लगभग 40 प्रतिशत बजट का पैसा हर साल वापस चला जाता है। मतलब ये कि सालाना बजट का पूरा पैसा खर्च नहीं कर पाने वाले केजरीवाल को आखिर क्यों नई आबकारी नीति की जरुरत पड़ गई जबकि वे स्वयं विधानसभा में चीख-चीख कर कहते रहे हैं कि दिल्ली का सालाना बजट सरप्लस में है। आदेश गुप्ता ने दिल्लीवासियों को याद दिलाते हुए कहा कि यही केजरीवाल हैं जिन्होंने 'स्वराज' नामक पुस्तक लिखी थी जिसका विमोचन उस समय उनके द्वारा किए गए स्वराज आंदोलन के मुखिया अन्ना हज़ारे ने किया था। इस किताब के पृष्ठ संख्या 114 पर लिखा हुआ है कि स्वराज आंदोलन भ्रष्टाचार और वैसी शराब की दुकानें जो मोहल्ले या रिहायशी इलाकों में खोली गई है, उन्हें बंद करने के लिए क्रांति का काम करेगा लेकिन आज अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि वहीं केजरीवाल सत्ता में आने के बाद दिल्ली के युवाओं को शराब के नशे में झोंकना पर आतुर हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी शराबी पिता नहीं चाहेगा कि उसका बेटा शराबी बने। सत्ता में आने से पहले जो केजरीवाल शराब बंदी के बिल्कुल विरोध में थे और पंजाब में जाकर उन्होंने शराब बंदी को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कही आखिर वे दिल्ली में अपने खुद के कही बातों पर अमल क्यों नहीं कर पा रहे हैं। आज हुए विरोध प्रदर्शन में मुख्य रुप से प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अशोक गोयल देवराहा एवं श्री राजन तिवारी, जिला अध्यक्ष श्री राजेश गोयल सहित जिला, मंडल एवं बूथ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली हिंसा: शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली हिंसा मामले के आरोपित शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दिया है। एडिशनल सेशंस जज अमिताभ रावत ने 10 दिसंबर को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्युटर अमित प्रसाद ने दलीलें रखने के लिए दो-तीन दिन का समय मांगा जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई टाल दिया। आज शरजील इमाम ने कोर्ट से कहा कि उनके वकील को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश होने की इजाजत दी जाए। कोर्ट ने उनकी इस मांग को मंजूर कर लिया। शरजील इमाम ने कोर्ट से कहा कि उसे जेल से कोर्ट लाने के बाद लॉक-अप रुम में अलग रखा जाए। उसकी जान को खतरा है। तब कोर्ट ने लॉक-अप रूम के इंचार्ज को बुलाकर पूछताछ की। लॉक-अप रूम के इंचार्ज ने कहा कि हाई-रिस्क वाले कैदियों को लॉक-अप रूम में अलग रखा जाता है लेकिन अगर ऐसा नहीं हो पाता है तो उन्हें कैदियों को कोर्ट लेकर आनेवाले वैन में ही रखा जाता है। कोर्ट में 4 अक्टूबर को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो गई थीं। सुनवाई के दौरान शरजील इमाम की ओर से वकील तनवीर अहमद मीर ने कि दिल्ली पुलिस कह रही है कि अस्सलाम-ओ-अलैकुम से भाषण शुरु होने का मतलब राजद्रोह था। लेकिन क्या अगर आरोप गुड मार्निंग से भाषण शुरु करता तो आरोप खत्म हो जाते। मीर ने कहा था कि अभियोजन को अपनी मर्जी से कोई निष्कर्ष निकालने की आजादी नहीं होनी चाहिए। हम किसी व्यक्ति पर मुकदमा केवल कानून के बदौलत नहीं बल्कि तथ्यों के आधार पर करते हैं। उन्होंने कहा था कि दो वर्ष बीतने को है लेकिन अभी ट्रायल शुरु भी नहीं हुआ है। अगर कोई सरकार की नीतियों की आलोचना करता है तो उसके खिलाफ क्या कई सारे मुकदमे होने चाहिए। किसी नीति का विरोध करने के कई तरीके हो सकते हैं। ये रोड पर प्रदर्शन के जरिये भी हो सकता है।

सिख विरोध दंगा के एक मामले में सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार के खिलाफ 1984 सिख विरोध दंगा के एक मामले में आरोप तय किया है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने सज्जन कुमार को 16 दिसंबर को तलब किया है। मामला 1 नवंबर 1984 की है जिसमें पश्चिमी दिल्ली के राज नगर में सरदार जसवंत सिंह और सरदार तरुण दीप सिंह की हत्या कर दी गई थी। शाम को करीब चार-साढ़े चार बजे दंगाईयों की भीड़ ने पीड़ितों के राज नगर इलाके स्थित घर पर लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक इस भीड़ का नेतृत्व सज्जन कुमार कर रहे थे जो उस समय बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद थे। शिकायत के मुताबिक सज्जन कुमार ने भीड़ को हमला करने के लिए उकसाया जिसके बाद भीड़ ने सरदार जसवंत सिंह और सरदार तरुण दीप सिंह को जिंदा जला दिया। भीड़ ने पीड़ितों के घर में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी को अंजाम दिया। शिकायतकर्ता की ओर से तत्कालीन रंगनाथ मिश्रा की अध्यक्षता वाली जांच आयोग के समक्ष दिए गए हलफनामे के आधार पर उत्तरी जिले के सरस्वती विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 147,148,149,395,397,302,307, 436 और 440 की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए। शिकायतकर्ता ने सज्जन कुमार की पहचान तब की जब उसने उनकी एक तस्वीर देखी। इस मामले को 1984 में बंद कर दिया गया था लेकिन जब एसआईटी ने इसे दोबारा खोलने का आदेश दिया तब राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय किया। कोर्ट ने कहा कि इस बात के पर्याप्त तथ्य हैं कि आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए जाएं।

बीजेपी ने दिया औरंगज़ेबी फरमान, 1679 के बाद पहली बार लगा जज़िया कर

शोएब आलम, रिपोर्टर, संद्भावना टुडे

नई दिल्ली। 'आप' विधायक आतिशी ने कहा कि बीजेपी ने दिल्ली में औरंगज़ेबी फरमान दिया है। 1679 के बाद पहली बार जज़िया फरमान लगाया जा रहा है। भाजपा शासित ईस्ट एमसीडी ने कई मंदिरों को नोटिस दिया है कि आप प्रॉपटी टैक्स भरो वर्ना आपका मंदिर सील कर दिया जाएगा। राम नाम पर वोट मांगना और फिर मंदिरों पर टैक्स लगाना, यह है भाजपा की असलियत! एमसीडी में शासित भाजपा का सिर्फ एक ही काम है, भ्रष्टाचार, उगाही करना और अपनी जेब भरना। आम आदमी पार्टी ने भाजपा से इस नोटिस को तुरंत वापस लेने की मांग की है। वहीं ईस्ट एमसीडी के एलओपी मनोज त्यागी ने कहा कि गरीबों के लिए पहला आश्रय मंदिर होता है, भाजपा उस आश्रय को भी बंद कराना चाहती है। यह निंदनीय है। अगर भाजपा की निगम ने मंदिर की तरफ आँख उठाकर भी देखा, तो हमें जिस भी हद तक जाना पड़े, हम जाएंगे और इसका कड़ा विरोध करेंगे।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। आतिशी ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने जितना भ्रष्टाचार किया है, उसका आम आदमी पार्टी बार-बार खुलासा करती रही है। और शायद अब और खुलासों की जरूरत ही नहीं है क्योंकि अब यह जगजाहिर हो गया है कि भाजपा ने एमसीडी के सरकारी खजाने को खाली कर दिया है। आज यह हालात हैं कि एमसीडी न टीचरों की तनख्वाह दे रही है, न डॉक्टर्स और नर्सेस की तनख्वाह दे रही है और न सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह दे रही है। एमसीडी में शासित भाजपा का सिर्फ एक ही काम है, भ्रष्टाचार, उगाही करना और अपनी जेब भरना। दिल्ली के हर हिस्से में रहने वाला व्यक्ति यह जानता है कि भाजपा के नेता और पार्षद सिर्फ उगाही करना जानते हैं। जैसे ही कोई अपने घर में लिंटर डालना शुरू करता है, भाजपा के पार्षद उस आम इंसान से उगाही करने पहुंच जाते हैं। लेकिन अब भाजपा की जो पैसों की हवस है उसकी अब कोई सीमा नहीं रही है। भाजपा को लोग आम जनता से तो उगाही करते ही रहे हैं। उससे उनका, उनके

पार्षदों और पार्टी का पेट नहीं भरा तो अब वह दिल्ली के मंदिरों से भी उगाही करने पहुंच गए हैं। इस शहर में ऐसा पहली बार हुआ है, जो भाजपा शासित एमसीडी ने किया है कि दिल्ली के मंदिरों पर हाउस टैक्स लगाया जा रहा है।

ईस्ट एमसीडी ने कई मंदिरों को नोटिस दिया है कि आप हाउस टैक्स भरो वर्ना आपका मंदिर सील कर दिया जाएगा। मुझे लगता है कि भारत के इतिहास में, औरंगज़ेब के बाद यह पहली बार ऐसा फरमान किसी सरकार ने जारी किया होगा। 1679 में औरंगज़ेब ने मंदिरों पर जज़िया लगाया था और आज 2021 में भाजपा शासित ईस्ट एमसीडी ने दिल्ली के मंदिरों पर प्रॉपर्टी टैक्स लगाया है। पूरी दिल्ली में पहले ही भाजपा के नेता उगाही कर रहे थे। लेकिन इनकी पैसों की ऐसी हवस है कि इन्होंने सोचा कि पंडित जी की दक्षिणा पर भी हाथ मार लिया जाए। मंदिर के दान पात्र पर भी हाथ मार लिया जाए। वर्ना कौन सी ऐसी सरकार है देश में जो किसी धार्मिक स्थान से, किसी मंदिर से प्रॉपर्टी टैक्स की मांग करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आपको दो तरह की सरकारें मिलेंगी। एक अरविंद केजरीवाल की सरकार है, जो ईमानदारी से चलने वाली सरकार है। जो ईमानदारी से टैक्स वसूलती है और फिर जनता पर खर्च करती है। वह अरविंद केजरीवाल जी की सरकार है, जिसने अपने पांच साल के कार्यकाल में दिल्ली के बजट को दुगना कर दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर भेजूंगा। मैं दिल्ली के बुजुर्गों को रामलला के दर्शन करने के लिए अयोध्या भेजूगा। एक बेटे की तरह जो अपने मां और पिता जी को तीर्थ यात्रा करवाता है, वह पूरी दिल्ली के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवा रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा शासित एमसीडी है। जो राम के नाम पर वोट मांगती है लेकिन अपनी जेब भरने के लिए आज मंदिरों को धमका रही है कि अगर आपने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरा तो हम आपके मंदिर को सील कर देंगे।

शादान ज़ेब खान ने दरगाह कमेटी अजमेर शरीफ के नाजिम का पद संभाला

नई दिल्ली। केन्द्रीय वक्फ परिषद नई दिल्ली के सचिव शादान ज़ेब खान ने सूफी संत हजरत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह प्रबंधन कमेटी के नाजिम पद का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया है। दिल्ली कार्यालय में शादान अहमद ने पदभार संभालने के बाद कहा कि दरगाह पर देश-दुनिया से आने वाले जायरीन की सुविधा के लिए बेहतर काम करने की कोशिश करूंगा। पद ग्रहण करने के साथ ही अहमद को दरगाह कमेटी के चेयरमैन अमीन पठान ने फोन पर बधाई दी और जल्द अजमेर आने की दावत दी। इस मौके पर सहायक नाजिम डॉ. आदिल ने नवनियुक्त नाजिम का दसतार और दरगाह शरीफ का तर्बरूक भेंट कर इस्तकबाल किया है। निजी सहायक नाजिम फज्ले मतीन अहमद को भी पूरे स्टाफ की तरफ से बधाई दी गई है। नवनियुक्त नाजिम शादान ज़ेब खान को नायब सदर मुनव्वर खान ने भी फोन पर बधाई दी और साथ ही भरोसा दिलाया कि मौजूदा दरगाह कमेटी के साथ उनके जरिए तारीखी काम किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

हथियारों के साथ दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर थाने की पुलिस ने मंगलवार को कादराबाद बम्बे के पास दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध हथियार बरामद किए। पुलिस का कहना है कि यह दोनों शातिर अपराधी अपराधी है तथा क्षेत्र में कई बड़ी अपराधिक वारदातों को अंजाम देते चुके हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी मोदीनगर सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में भदौडा मोदीनगर निवासी शैलेंद्र कुमार मलिक तथा ईसापुर भोजपुर निवासी चिंकू हैं। यह दोनों शातिर किस्म के अपराधी हैं और आसपास के इलाके में कई अपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। इसके अलावा इंदिरापुरम पुलिस ने शातिर लुटेरे राशि को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से लूट का एक मोबाइल और 2400 रूपए बरामद हुए।

नोएडा में दहेज हत्या के जुर्म में व्यक्ति को आठ साल जेल की सजा

नोएडा,एजेंसी। नोएडा में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या करने के दोषी एक व्यक्ति को यहां की एक स्थानीय अदालत ने आठ साल जेल की सजा सुनाई है और मामले में सह-आरोपी व्यक्ति की मां को सात साल जेल की सजा सुनाई है। अभियोजन अधिकारी ब्रह्मजीत भाटी ने बताया कि नोएडा के फेज-तीन थाने में अक्टूबर 2018 में एक युवक ने मामला दर्ज कराया था कि दहेज के लिए उसकी बहन के पति पंकज और सास श्रीदेवी ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दायर किया। उन्होंने बताया कि अदालत ने मामले में सुनवाई के दौरान सभी पक्षों पर गौर करने के बाद पंकज को आठ और श्रीदेवी को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई और उन पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा नहीं करने पर उन्हें छह महीने और सजा काटनी होगी।

नोएडा में बिजली बिल के बकायेदारों के नाम स्कूलों और पंचायत घरों में चस्पा किए जाएंगे

नोएडा। नोएडा में बिजली विभाग बकायेदारों पर सामाजिक दबाव बनाने के लिए उनके नाम सरकारी स्कूलों और पंचायत घरों में चस्पा करेगा। विभाग की तरफ से बकायेदारों को नोटिस भेजकर उन्हें इस संबंध में सूचित किया जा रहा है। विभाग के मुख्य अभियंता बीएन सिंह ने बताया कि विद्युत निगम में घरेलू, कृषक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त समाधान योजना चल रही है। बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर ब्याज पर 50 से 100 प्रतिशत छूट मिल रही है। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर तक ही यह योजना लागू है। उन्होंने बताया कि विद्युत निगम को केवल 29 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि 238 करोड़ रुपये बकाया हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में विशेष ध्यान केंद्रित कर सरकारी विद्यालयों और पंचायत घरों में बकायेदारों के नाम चस्पा किए जाएंगे।

नोएडा में कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से गिरी, आठ लोग गंभीर रूप से घायल

नोएडा। थाना फेस-2 क्षेत्र के पंचशील अंडरपास के पास नोएडा एक्सप्रेसवे पर सोमवार रात एक तेज गति से आ रही कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में कार में सवार आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। थाना फेस-2 के थानाध्यक्ष सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बीती रात को राहुल, अनिल, राजेश, विशाल, गगन गुप्ता, चेतन, अमित तथा शिव एक कार में सवार थे। कार की गति बहुत तेज थी और वह अनियंत्रित होकर पंचशील अंडरपास के पास एक्सप्रेस-वे पर पलट गई। कार कई बार पलटी और एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरी। उन्होंने बताया कि कार में सवार आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें नोएडा के यथार्थ तथा फिलिक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक की हालत नाजुक बनी हुई है।

सरकारी डॉक्टर पर ऑपरेशन से पहले रिश्वत मांगने का आरोप

पलवल। पलवल के जिला अस्पताल में सरकारी डॉक्टर के द्वारा इलाज के नाम पर रुपए मांगने का एक बार फिर मामला सामने आया है। इस बार हड्डी रोग विशेषज्ञ पर बच्चे के हाथ में लगी चोट का ऑपरेशन करने की एवज में 10 हजार रुपये की मांग की गई । जिस पर परिजन बच्चे को यह कहते हुए अस्पताल से बाहर ले गए कि उनके पास में पैसे होते तो वह पहले ही निजी अस्पताल में उपचार कराते। पलवल के निकटवर्ती ग्राम घुघेरा निवासी बुजुर्ग गिरिराज सिंह के साथ में उसका बेटा और बेटे की गोद में यश कुमार स्कूल में किसी दूसरे बच्चे के धक्का दिए जाने के बाद डर गया था जिसके बाद कोहनी में चोट आई थी इसके उपचार के लिए पिता पुत्र उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि 3- 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे की हड्डी रोग रोग विशेषज्ञ इलाज के लिए फाइल बना दी थी। लेकिन जैसे ही बच्चे के इलाज के लिए ऑपरेशन थिएटर में ले जाने की बात हुई तभी डॉक्टर ने 10 हजार रुपये की डिमांड रख दी। उन्होंने बताया कि उसके लिगामेंट टूट गया है लिगामेंट को डालना पड़ेगा। बिना किसी कल्पना के सरकारी अस्पताल में 10 हजार रुपये मांगे जाने पर बुजुर्गों गिर्राज सिंह तथा उनका बेटा भड़क गए। वे सरकार और डॉक्टरों को को भला बुरा कहते हुए बच्चे को अस्पताल से बाहर ले आए। घटना शनिवार की है। शनिवार और रविवार छुट्टी होने के कारण स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी से बात नहीं हो पाई। सोमवार को भी एसएमओ डॉ लोक वीर सिंह की छुट्टी होने के कारण से बात नहीं हो पाई।

बल्लीमारान में नए बिजली मीटर लगाने एवं जन शिकायतों के निवारण के लिए लगाए जाएंगे विशेष शिविर

शबाना बेगम,सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में नए मीटर कनेक्शन और बीएसईएस से संबंधित जन शिकायतों के लंबित मामलों के निवारण के लिए ऊर्जा विभाग, डीईआरसी और बीएसईएस के साथ महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। मीटिंग में विशेष सचिव (ऊर्जा), डीईआरसी, ऊर्जा विभाग, और बीएसईएस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने उनके कैंप कार्यालय में विगत दिनों आयोजित बीएसईएस विशेष शिविर के दौरान स्थानीय निवासियों द्वारा मीटर कनेक्शन के लिए जमा किये गए आवेदनों के बाबजूद नए बिजली मीटर कनेक्शन में देरी को गंभीरता से लिया। इमरान हुसैन ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी बीएसईएस से संबंधित मीटर कनेक्शन, बिजली के बिलों, मीटर लोड से सम्बंधित शिकायतों को लेकर कैंप कार्यालय में आते हैं। जिसे शीघ्रता से निपटाने की आवश्यकता है।

बीएसईएस अधिकारियों ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री को नए बिजली मीटर कनेक्शन के लंबित मामलों के शीघ्र निपटान के बारे में अवगत कराया। बैठक में बताया कि जमा किए गए आवेदनों की जांच लगभग पूरी हो चुकी है। आवेदकों का सत्यापन पहले ही किया जा चुका है। बीएसईएस अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश आवेदकों के नए बिजली कनेक्शन पहले ही लगवाए जा चुके है या प्रक्रियारत हैं। मंत्री ने बीएसईएस के अधिकारियों को निवासियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द नए बिजली मीटर लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि निवासियों की मांग को देखते हुए बीएसईएस द्वारा बिजली से संबंधित शिकायतों को हल करने के लिए इस तरह के विशेष शिविर आयोजित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बीएसईएस अधिकारियों को विशेष शिविर आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की आवश्यकता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन के कैंप कार्यालय में बीएसईएस के विशेष शिविर आयोजित किए गए थे। जहां त्वरित बिजली कनेक्शन प्रदान करने के साथ ही साथ बिजली बिलों से संबंधित विभिन्न समस्याओं का निराकरण भी किया गया था। इसके अलावा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बीएसईएस अधिकारियों को बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में नई हाई मास्ट लाइट लगाने और खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत के लिए निवासियों के परामर्श से ब्लैक स्पॉट की पहचान करने का भी निर्देश दिया। बीएसईएस को अपने दक्षता प्रबंधन और शिकायत निवारण प्रणाली में सुधार लाने के लिए भी कहा गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने निर्देश दिए कि बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में लटकते बिजली के तारों को सुव्यवस्थित करने के मामले में अनुमानित लागत के साथ विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। जिससे कि बल्लीमारान निर्वाचन क्षेत्र के घने इलाके में लटकते बिजली के तारों को शीघ्र बदला जा सके।

फरीदाबाद में आठ विदेशी नागरिकों को मिली भारतीय नागरिकता

फरीदाबाद। आठ विदेशी नागरिकों को जिलाधीश जितेंद्र यादव ने मंगलवार को भारतीय नागरिकता की शपथ दिला कर भारतीय नागरिकता प्रदान की। इन 8 विदेशी नागरिकों में दो अफगानिस्तान के हर्षील एवं पूर्वी और 6 पाकिस्तान के इनमें सुमन देवी, महीष, जूली, फूलां, मुस्कान व सपना शामिल है। इन लोगों में से चार लोगों ने वर्ष 2017 में और 3 लोगों ने वर्ष 2018 में और एक ने वर्ष 2019 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए जिलाधीश को आवेदन दिए थे।

बता दें पूरे देश में 13 जिलाधीशों को ही भारत सरकार ने यह विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की पावर प्रदान की गई है। इनमें फरीदाबाद का जिलाधीश भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान देश के अल्पसंख्यक समुदायों के किसी भी व्यक्ति इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार जिलाधीश को भारतीय नागरिकता अधिकार देने का अधिकार प्रदान किया गया है। नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 के अधीन भारत के नागरिक के रूप में रजिस्ट्री कृत करने अथवा धारा 6 के अधीन उसे देशीकरण संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों के तहत यह नागरिकता जिलाधीश जितेंद्र यादव ने प्रदान की है।

देश के गुजरात राज्य के मोरबी, राजको,ट पाटन एवं बड़ोदरा और छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग तथा बलोदा बाजार, राजस्थान प्रांत के जालौर, उदयपुर, पाली, बाड़मेर और सिरोही, हरियाणा प्रांत के फरीदाबाद तथा पंजाब प्रांत के जालंधर के जिलाधीश को भारत सरकार ने नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है।

गुरुग्रामः बेहतर कार्यकर्ता ही दे सकता है बेहतर नेतृत्वः ओमप्रकाश धनखड़

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने गुरुग्राम में जिला प्रशिक्षण कार्यशाला एवं जिला कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं को व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व विकास के मंत्र दिए। ओमप्रकाश धनखड़ ने नेतृत्व विकास विषय पर बोलते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं में सीखने की प्रवृत्ति और धैर्य होना बहुत जरूरी है। प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में किए जाने वाले कार्य भी बताएं। जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की अध्यक्षता वाले इस प्रशिक्षण कार्यशाला और कार्यसमिति की शुरूआत भारत माता के चित्र के सामने दीप प्रज्जवलन से हुई। अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से ही अध्यक्ष ने पूछा कि एक अच्छे नेतृत्व में क्या-क्या गुण होने चाहिए। कुछ कार्यकर्ताओं ने खड़े होकर अपने अध्यक्ष के सामने बेहतर नेतृत्व और बेहतर कार्यकर्ता के गुण गिनाए। अपने संबोधन में ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि एक बेहतर कार्यकर्ता ही बेहतर नेतृत्व दे सकता है। एक कार्यकर्ता में अनुशासन के साथ-साथ सीखने की प्रवृति और धैर्य होना चाहिए। श्री धनखड़ ने कहा कि जिसके पास समस्या कम और हल ज्यादा होते हैं, वही संगठन और कार्यकर्ता आगे बढ़ता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नेतृत्व करने के लिए लोगों में अपने लिए विश्वास पैदा करना पड़ता है, इसलिए सबको साथ लेकर चलना ही कुशल नेतृत्व की पहचान है। सरकार की सात साल की उपलब्धियां विषय पर बोलते हुए कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले सात साल में इतने कार्य किए हैं, जितने पिछली सरकारों ने सभी ने मिलाकर भी नहीं किए। उन्होंने बताया कि कैसे भाजपा सरकार ने प्रति एकड़ मुवाजा 15 हजार कर किसानों को जोखिम फ्री किया। जेपी दलाल ने सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए कायजू गिनाए। जिसमें बेहतर जल प्रबंधन, नौकरियों में पारदर्शिता, गरीबों के लिए योजनाएं, खिलाड़ियों के लिए योजना, सामाजिक सुरक्षा के लिए किए गए कार्य के लिए अपनी सरकार की जमकर तारीफ भी की। पूर्व सांसद सुधा यादव ने आत्म निर्भर भारत, मंत्री मूलचंद शर्मा ने पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव, पूर्व महामंत्री संदीप जोशी ने भाजपा का इतिहास, विकास और विचार विषय पर अपनी बात रखी। आईटी प्रमुख अरुण यादव ने सोशल मीडिया के संबंध में उपस्थित कार्यकर्ताओं को समझाया। विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू, जिला प्रभारी दीपक मंगला, प्रदेश सचिव समय सिंह भाटी और उषा प्रियदर्शी ने की।

ओमिक्रॉन ने नोएडा के लोगों की बढ़ाई चिंता, जिम्स में तैयारियां शुरू

नोएडा,एजेंसी। कोविड का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन ने नोएडा के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इस वैरीअंट को लेकर लोग सुबह से रात तक

अशोक कुमार
सद्भावना टुडे संवाददाता

बातचीत कर रहे हैं तथा इससे बचने के लिए एक दूसरे को सलाह देते नजर आ रहे हैं लोगों में चर्चा है कि कोरोना का यह वेरिएंट अगर यहां फैलता है तो भारत में पुन: लॉक डाउन लग सकता है, हालांकि जिले में अभी किसी भी मरीज में इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विदेशों से आए लोगों पर निगरानी की पूरे इंतजाम नहीं होने से संक्रमण फैलने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग को 27 नवंबर से अब तक विदेशों से आए 1564 यात्रियों की सूची प्राप्त हुई है। इनमें से करीब 1300 लोगों की ट्रैकिंग हो गई है, लेकिन शेष का कोई पता नहीं है। हाल के दिनों में 250 यात्रियों को फोन करने पर करीब 190 से ही बात हो सकी। दरअसल जिले में बाहर से आने वालों के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं है। बाहरी जिलों से होकर लोग गौतमबुद्ध नगर पहुंचते हैं। एयरपोर्ट से दिल्ली आकर वहां से जिले में पहुंचने वालों की सूची शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग को भेजी जाती है और विभाग

मोबाइल नंबर व पते के जरिए उन लोगों को ट्रैक करता है। लेकिन बाहर से आने वाले लोग क्वारंटीन से बचने के लिए अपना पता या मोबाइल नंबर गलत दर्ज करा देते हैं, जिन तक पहुंचना विभाग के लिए टेढ़ी खीर है। सरकार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग हफ्ते भर निगरानी के बाद लक्षणों वाले यात्रियों का सैंपल कोरोना जांच के लिए भेजता है। जांच रिपोर्ट में एक दो दिन का वक्त लगने के बाद पॉजिटिव होने की स्थिति में ही जीनोम सीक्वेंसिंग की बात उठती है, जिसमें कई दिन और लगना लाजमी है। ऐसे में ओमिक्रॉन से पॉजिटिव व्यक्ति का पता लगने में ही 10 से अधिक दिन लग जाते हैं।

जिले में फिलहाल 68 यात्रियों के कोरोना जांच के सैंपल भेजे जा चुके हैं, जिनमें से 19 की रिपोर्ट विभाग को मिली है। ओमिक्रॉन वायरस दिल्ली तक पहुंच गया है। एक मरीज में ओमिक्रॉन वायरस की पुष्टि के बाद दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि ओमिक्रॉन के संक्रमण की गति काफी तेज हैं, परंतु यह घातक नहीं हैं। उधर, कोरोना वायरस की नई चुनौती की आहट से जिम्स ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के निदेशक ब्रिगेडियर डॉक्टर राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जिम्स में करीब 300 नॉन-कोविड मरीज भर्ती हैं। ऐसी स्थिति में एक स्पेशल वार्ड बनाकर जिम्स इस वायरस से निपटने के लिए तैयार हैं। यहां आधुनिक संसाधनों से लैस वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरेटरी (वीआरडीएल) मल्टी डिसिप्लनरी यूनिट (एमआरडीयू) कोविड लैब तैयार हैं। लैब में सैंपल की जांच करने की क्षमता 12 हजार से अधिक की है। दूसरी लहर में आसपास के जिलों के सैंपल भी जांचे गए थे। देश में ओमिक्रॉन की दस्तक के साथ ही प्रशासनिक टीम एक्शन मोड पर आ गई है। इसी कड़ी में सोमवार को औषधि निरीक्षक ने सूरजपुर स्थित ऑक्सीजन निर्माता फर्म आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिकल ऑक्सीजन निर्माण, टेस्टिंग और फिलिंग संबंधित सभी उपकरण व अभिलेखों की जांच की गई। औषधि निरीक्षक द्वारा निरीक्षण में 5 ऑक्सीजन सिलिंडर के प्रेशर की जांच करवाई गई, जोकि सही पाई गई। आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स के वर्क्स मैनेजर नवीन मिश्र ने बताया कि उनके प्लांट में मेडिकल ऑक्सीजन की रिफिलिंग क्षमता 300 सिलिंडर प्रति शिफ्ट है। इसे 900 सिलिंडर तीन शिफ्ट में की जा सकती है।

गाजियाबाद में बढ़ रही औद्योगिक व व्यवसायिक सम्पत्ति की मांग, आवासीय में लोगों की रूचि नहीं

गाजियाबाद। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में व्यवसायिक व औद्योगिक सम्पत्ति की मांग एकाएक बढ़ गयी है, जबकि आवासीय सम्पत्ति में लोगों की रूचि काफी कम हो गयी है। यही कारण है कि पिछले दो महीनों के दौरान जीडीए ने अपनी 200 करोड़ की जो सम्पत्ति बेची है, उसमें करीब 80 प्रतिशत भूमि व्यवसायिक व औद्योगिक है। जीडीए के व्यवसायिक विभाग के आंकड़े यह स्थिति बयॉ कर रहे हैं। जिस स्तर पर आम लोगों की रूचि व्यवसायिक व औद्योगिक उपयोग के प्रति रूचि दिख रही है, उससे जीडीए के अधिकारी उत्साहित दिख रहे हैं।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के सम्पत्ति प्रभारी मनोज सागर बताते हैं कि पिछले दो महीनों के दौरान करीब 200 करोड़ रुपए की अपनी सम्पत्ति बेचने में सफलता पाई है। जिसमे जितनी भी सम्पत्ति की बिक्री हुई है उसमें ज्यादातर व्यवसायिक या फिर औद्योगिक उपयोग की है। जीडीए के आंकड़े बताते हैं कि आवासीय सम्पत्ति की उस स्तर पर बिक्री नहीं हो पाई जिसकी उम्मीद जीडीए अधिकारियों को थी। मनोज सागर ने बताया कि जीडीए ने अपनी सम्पत्ति को बेचने के लिए 21 अक्टूबर से शिविर आदि लगाने का काम शुरू किया था। इन शिविरों में लोगों की आवाजाही बनी रही और अभी तक जीडीए इन शिविरों के माध्यम से करीब 200 करोड़ रुपए की सम्पत्ति की बिक्री कर चुका है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा सम्पत्ति जीडीए की मधुबन बापूधाम योजना में बेची गई है। उसमें भी ज्यादातर सम्पत्ति औद्योगिक व व्यवसायिक उपयोग की थी। हालांकि आवासीय सम्पत्ति इस कॉलोनी में अब बहुत कम बची है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा इंदिरापुरम में भी जीडीए ने कुल 24 आवासीय भूखंडों की बिक्री के लिए नीलामी निकाली थी। जिसमे से 23 भूखंडों की बिक्री हो चुकी है। इससे जीडीए को करोड़ों की आय हुई है। इसके साथ ही प्रताप विहार में ग्रुप हाउसिंग स्कूल आदि के इस्तेमाल के लिए जीडीए के सम्पत्ति की बिक्री हुई है। उनका कहना है कि जीडीए को अपनी सम्पत्ति बेचने में लगातार सफलता मिल रही है। जिससे साबित होता है कि आम लोगों में जीडीए के प्रति विश्वास बढ़ा है। वहीं रियल एस्टेट कारोबारी नरेंद्र कुमार बताते हैं कि कोरोना काल के बाद लोगों में औद्योगिक या व्यवसायिक सम्पत्ति खरीदने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसकी वजह यह है कि उन्हें उम्मीद आने वाले समय में औद्योगिक व व्यवसायिक सम्पत्ति के दिन बहुरने लगे हैं।

बकायेदारों का पंचायत घरों पर लगेगा नोटिस

नोएडा। बिजली विभाग बकायेदारों पर सामाजिक दबाव बनाने के लिए उनके नाम सरकारी स्कूलों और पंचायत घरों पर नोटिस चस्पा करेगा। निगम की तरफ से बकायेदारों को लाल नोटिस भेजकर उन्हें सूचित किया जा रहा है। मुख्य अभियंता बीएन सिंह ने बताया कि विद्युत निगम में घरेलू ,कृषक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त समाधान योजना चल रही है। बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर ब्याज पर 50 से 100 प्रतिशत छूट मिल रही है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत जिले में 1.47 लाख रुपए उपभोक्ता छूट के दायरे में है। करीब डेढ़ माह बीतने के बावजूद अब तक केवल 29,700 लोगों ने ही बिल का भुगतान किया है, जबकि 15 दिसंबर तक ही यह योजना लागू है। उन्होंने बताया कि विद्युत निगम को केवल 29 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि 238 करोड़ों रुपया बकाया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू और ट्यूबवेल उपभोक्ताओं में से केवल 13 फीसदी लोग ने बिल का भुगतान किया है।

औद्योगिक क्षेत्रों से डोर-टू डोर कूड़ा कलेक्शन शुरू

गाजियाबाद। गाजियाबाद शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में मंगलवार से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के आधार पर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य शुरू कर दिया गया। महापौर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बुलन्दशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में कूड़ा कलेक्शन वाहन को हरी झंडी दिखाई। नगर निगम ने पहले चरण में बुलंदशहर रोड औद्योगिक तथा अमृत स्टील कंपाउंड में कूड़ा कलेक्शन शुरू किया है। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि सभी औद्योगिक इकाइयों से कूड़ा एकत्र किया जाएगा। जिसका व्यय औद्योगिक क्षेत्रों द्वारा वहन किया जाएगा। जिससे औद्योगिक क्षेत्र आत्मनिर्भर बनेंगेद्य नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ. एमके सिंह ने बताया कि शहर को कचरा मुक्त करने का कार्य और बेहतर तरीके से करने के लिए इस योजना को धरातल पर लाया गया है। जिससे औद्योगिक क्षेत्रों का कचरा समय से उनकी अनुसार उठाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही यह योजना पूरे शहर में लागू होगा। इस अवसर पर उद्यमी राजीव अरोड़ा समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने किया सनसनीखेज तरीके से गर्दन काटकर हत्याकांड का खुलासा, दोस्त ही निकला कातिल

गाजियाबाद। कविनगर पुलिस ने मंगलवार को लाल कुआं क्षेत्र में सनसनीखेज तरीके से युवक की गर्दन काटकर हत्या करने के मामले की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने मृतक के सहकर्मी व दोस्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त किया गया आलाकत्ल चाकू तथा कटी हुई गर्दन बरामद कर ली है। आपको बता दें कि सोमवार को कविनगर के लाल कुआं क्षेत्र में प्रमोद लोधी (37 वर्ष)नामक एक व्यक्ति की लाश उसके घर के पास से कूड़े के ढेर से बरामद हुई थी। प्रमोद की गर्दन गायब थी।उसकी पत्नी मीरा ने ही कविनगर पुलिस को इस मामले की जानकारी दी थी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय नितिन अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने जांच पड़ताल की और पत्नी से जानकारी हासिल की तो पता चला कि इस हत्याकांड में प्रमोद लोधी का सहकर्मी प्रदीप मिश्रा इस हत्याकांड में शामिल हो सकता है। पुलिस ने तलाश करके प्रदीप मिश्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर प्रमोद लोधी सिर करीब 500 मीटर दूर कूड़े के ढेर में मिला।प्रदीप मिश्रा ने बताया कि उसने प्रमोद लोधी की हत्या जॉब कार्ड बदलने के को लेकर की है। श्री अग्रवाल ने बताया कि आरोपी ने बताया कि थाना अमापुर, जिला कासगंज के गांव सूरजपुर निवासी प्रमोद लोधी कविनगर इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित प्रेजिशन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में मशीन ऑपरेटर की नौकरी करता था। वह लालकुआं के मंगल बाजार इलाके में किराए के मकान में रहता था। इसी कंपनी में आजमगढ़ निवासी प्रदीप मिश्रा भी मशीन ऑपरेटिंग की नौकरी करता था। वह प्रमोद के मकान से करीब 100 मीटर दूर किराए पर रहता था। मशीन खराब होने पर आरोप अक्सर संदीप पर आता था। इसी बात को लेकर संदीप और प्रमोद में अक्सर विवाद रहता था। करीब एक महीने पहले भी दोनों में विवाद हुआ था, जिसके बाद संदीप ने प्रमोद को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया था।

मकान कब्जाने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

फरीदाबाद। अवैध रुप से पड़ोसी के मकान पर कब्जा करने के मामले में थाना सेक्टर-58 की पुलिस टीम ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी आदित्य उर्फ कातिया, दिनेश, नरेश जो तीनों भाई मच्छगर के रहने वाले है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने मंगलवार को बताया कि हरफला गाँव के त्रिलोकचंद, जो वर्तमान में संजय कॉलोनी बल्लबगढ़ में रहते हैं। इनके मकान के पास ही आरोपी आदित्य उर्फ कातिया कंसट्रक्शन का काम करता है। कातिया मकान को हड़पने की नियत से शिकायत करने वाले को कई बार परेशान कर चुका है।

आरोपी का कहना है की मकान के स्थान पर उसका शोरुम रहेगा। आरोपी ने शिकायतकर्ता को मकान बेचकर खाली करने का दवाब बनाता है। शिकायतकर्ता द्वारा मकान बेचने को मना करने पर आरोपी आदित्य ने अपने 3 भाई और 25-30 साथियों के साथ 3 दिसम्बर को रात 11-12 बजे

लाठी डंडा और पिस्टल के साथ शिकायतकर्ता के घर का दरवाजा तोड़ कर अंदर घुस गए और आरोपी कातिया ने त्रिलोकचंद से 18 हजार रुपए और आरोपी नरेश ने पिस्टल की नोक पर टेकचन्द से साढ़े तेरह हजार रुपए छिन लिए थे। मामले की सूचना थाना सेक्टर-58 की पुलिस टीम को मिली तो पुलिस ने तुरंत मौके से आरोपी आदित्य उर्फ कातिया, दिनेश और रविन्द्र को संजय कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने आरोपी आदित्य उर्फ कातिया की आपराधिक रिकार्ड थाना सदर बल्लबगढ़ से निकाली तो आरोपी के विरूद्ध हत्या, लूट और अवैध हथियार रखने के 10 मुकदमें दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर एक दिन पुलिस रिमांड लिया गया। रिमांड पर पूछताछ के दौरान प्राप्त जानकारी की मदद से पुलिस ने आरोपी आदित्य उर्फ कातिया से 7 हजार रुपए और मोबइल फोन बरामद किया। आरोपी ने 11 हजार रुपए अपने साथियों के साथ खर्च कर दिए। रिमांड पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया। इस मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

विचार

व्यर्थ है दाता बनने का अभिमान

आज हम सभी भौतिकता में इस कदर खो गए हैं कि एक पल के लिए भी अपने अंतर्मन में झांकने की फुर्सत हमें नहीं मिल पाती। दूसरे शब्दों में सच तो यह है कि अभिमान का चश्मा आज इतना सस्ता हो गया है कि हर कोई बड़ी सरलता से उसे अपनी आंखों पर चढ़ा लेता है और खुद को ही इस संसार का नियंता और सबसे बड़ा कर्तृता मान बैठता है। जाने क्यों, आदमी इस संसार की उस सच्चाई को क्यों भूल बैठा है, जो कबीर ने उसे बताई थी और फिर भी चेताया था-

'कबीरा गर्व न कीजिए, काल गहे कर केस।
ना जाने कित मारिहै, क्या घर, क्या परदेस।'

अब करें भी क्या? स्वयं को ही 'कर्तृता' समझने का यह भाव आदमी को ज्ञानी होते हुए भी अपमानित करवाता आया है। लेकिन हम उससे कोई सबक नहीं सीखते। कुछ दिन पूर्व मुझे 'उपनिषद' में आई महान ज्ञानी याज्ञवल्क्य की बहुत ही प्यारी और प्रेरक कथा पढ़ने को मिली, कथा कुछ इस प्रकार है— महर्षि याज्ञवल्क्य प्रकांड महाज्ञानी और तर्कशास्त्र में पूर्णत: पारंगत ऋषि थे। एक बार राजा जनक ने सौ गायों के सींगों को सोने से मढ़वा कर, उनके ऊपर अथाह सोना-चांदी रखवा दिया और उन सारी गायों को धूप में खड़ा करवा दिया। राजा जनक ने घोषणा कराई कि जो भी विद्वान शास्त्रार्थ में विजयी होगा, वही इन सुवर्ण से लदी गायों को साथ ले जाएगा। कालांतर सुबह से दोपहर हो गई, लेकिन कोई भी विद्वान शास्त्रार्थ के लिए आया ही नहीं। वहीं दूसरी ओर सारी गायें भूखी-प्यासी धूप में खड़ी व्याकुल हो रही थीं। लेकिन राजा के निर्देशों के चलते किसी ने उन्हें नहीं हटाया ताकि वे कुछ राहत पा सकें। तभी ऋषि याज्ञवल्क्य वहां आए और गायों की दशा देखकर विचलित हुए। ऋषि याज्ञवल्क्य अपने शिष्यों से बोले कि इन निरीह गायों को भूखा-प्यासा धूप में खड़ा किया हुआ है और ये प्यास से बेहाल हैं, तुम इन्हें खोल कर ले जाओ। कुछ पंडितों ने राजा जनक से शिकायती लहजे में कहा भी कि बिना विजयी हुए ऋषि याज्ञवल्क्य गायों को कैसे ले जा सकते हैं? किंतु राजा जनक भी ऋषि याज्ञवल्क्य कहीं नाराज न हो जायें कुछ नहीं कह पाए और विद्वान याज्ञवल्क्य शास्त्रार्थ में विजय से पूर्व ही भूख और प्यास से बेहाल गायों को खोलकर ले गए। बाद में, यही महर्षि याज्ञवल्क्य जनक के शास्त्रार्थ में विजयी हुए। ऐसे महान ज्ञानी याज्ञवल्क्य अपने जीवन के अंतिम समय को देखकर, जब संन्यास लेकर वन में जाने लगे तो उन्होंने अपनी दोनों पत्नियों को बुलाकर कहा कि मैं तो सब कुछ छोड़कर परमात्मा की साधना में लीन होने के लिए वन की ओर जा रहा हूं, इसलिए यह सारी धन-संपत्ति मैं तुम्हें सौंपता हूं। उसने ऋषि से पूछा— हे महाऋषि, आप ही कहते हैं कि यह धन-संपत्ति आपके लिए मूल्यवान नहीं है, तब यह कचरा आप हमें क्यों दे रहे हैं?' अपनी पत्नी का यह तार्किक प्रश्न सुनकर याज्ञवल्क्य गहरी सोच में पड़ गए और उन्होंने अपनी विदुषी पत्नी को कहा- आज तुमने तो मेरी आंखें खोल दी हैं। मैं तो स्वयं को तुम्हारा पालनकर्ता मान कर अभिमान में भरकर यह धन-संपत्ति छोड़ रहा था, जबकि तुमने इस धन-संपदा को कचरा बता कर मुझे ही निरुत्तर कर दिया है। सही मायनों में तुम तो मेरी गुरु हो। इस बोधकथा को पढ़कर यही लगा कि निस्संदेह हम व्यर्थ ही कुछ सोने-चांदी के सिक्कों को पाकर स्वयं को संसार का पालनकर्तृता मान बैठते हैं। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि जो हमारे प्राणों की डोर अपने हाथों में पकड़े हुए बैठा है, सही मायनों में असली कर्तृता तो 'वही' है। कविवर रहीम का एक बेहद सार्थक और प्रसिद्ध दोहा है, जिसमें मानव-जीवन का गहरा मर्म छिपा हुआ है-

'तरुवर फल नहिं खात हैं,
सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर-काज हित,
संपति संचहिं सुजान।'

महान ज्ञानी ऋषि याज्ञवल्क्य को तो उनकी विदुषी पत्नी ने 'अभिमान-भाव' की कारा से मुक्ति दिलाई और सच्चे अर्थों में परमात्मा के दर्शन कराए, ऐसे में हमारी आंखें सही मायनों में आखिर कब खुलेंगी? हकीकत में देखें तो हमारी ज़िन्दगी तो 'चार दिन की चांदनी' का नाम ही है न? जब यह संसार ही क्षण भंगुर है, तब अभिमान कैसा और किसके लिये किया जाए? यह प्रश्न तो आपके अंतर्मन का भी है न? तब क्यों न, ऋषि याज्ञवल्क्य की कथा से ही जीवन का सच ले लें। साथ ही अपने जीवन का सार्थक बनाने का प्रयास करें। लेकिन एक हकीकत यह है कि सत्यबोध को जानते हुए भी हम भ्रम व अज्ञानता के चलते अनजान बने रहते हैं।

-शबाना बेगम-

जांच के दौरान, मृतक आनंद के अर्दली दर्शन लाल ने इकबालिया बयान दिया, जिसके आधार पर उसे सरकारी गवाह बनाया गया। यह उसके बयान थे, जिसके चलते दिवंगत आनंद की पत्नी इंदु आनंद, पुत्र सुमनजीत सिंह आनंद और भतीजे संदीप सिंह को अभियुक्त नामज़द किया गया था। चंडीगढ़ में भारतीय दंड संहिता की धारा 304, भाग-2 के अंतर्गत उन पर मुकदमा चला और सेशन जज ने दोषी पाते हुए 2 साल की कैद और 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। यह सजा दर्शन लाल की गवाही के आधार पर हुई थी। इस निर्णय के खिलाफ हुई अपील में ऊपरी अदालत ने अभियोजन पक्ष की ओर से दर्शन लाल के बयानों को 'सरासर झूठी कहानी' बताया। न्यायलय ने आगे कहा = 'यह यकीन करना नामुमकिन है कि वादी न. 1 -इंदु आनंद - एक युवा महिला, जिसका 17 वर्ष का बेटा, 14 वर्षीय बेटी और लगभग 17 साल का भतीजा हो, वह इन छोटे बच्चों के बारे में सोचे बिना अपने प्रिय पति को मरवाने की सोच भी सकती है।

निर्दोष को कष्ट से व्यथित होता है इंसाफ

तेरह जुलाई, 1983 की सुबह सुखना लेक पर गश्त पर निकले तीन पुलिस कांस्टेबलों को तत्कालीन उप-पुलिस महानिरीक्षक जोगिंदर सिंह आनंद का शव मिला था। जोगिंदर सिंह, संजय गांधी की विधवा मेनका गांधी के पिता के छोटे भाई थे। इससे केस को बतौर हत्या दर्ज किया गया। मौत की वजहों पर सवाल उठे। यह निश्चित करने को लाश के दो पोस्टमॉर्टम किए गए थे, एक उसी दिन तो दूसरा अगले रोज। इतना ही नहीं, लगभग एक महीने बाद सीबीआई ने दोनों पोस्टमार्टम रिपोर्टों की विवेचना हेतु डॉक्टरों का एक बोर्ड नियुक्त किया। जहां पहली पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट ने मौत का कारण डूबना बताया तो दूजे ने मृत्यु दम घुटने से बताई थी। वहीं, बोर्ड के मुताबिक डूबने से फेफड़ों में मिलिअरी ट्युबरोक्लोसिस की मौजूदगी दम घुटने की वजह दर्शाती है। यह वैसोवैगल शॉक होना भी बताता है। बोर्ड की उक्त राय को उच्च न्यायालय ने किसी सुबूत के आधार पर न होकर महज अकादमिक व्याख्या ठहराया, क्योंकि इसके सदस्य दोनों पोस्ट-मॉर्टम करने वालों में शामिल नहीं थे।

जांच के दौरान, मृतक आनंद के अर्दली दर्शन लाल ने इकबालिया बयान दिया, जिसके आधार पर उसे सरकारी गवाह बनाया गया। यह उसके बयान थे, जिसके चलते दिवंगत आनंद की पत्नी इंदु आनंद, पुत्र सुमनजीत सिंह आनंद और भतीजे संदीप सिंह को अभियुक्त नामज़द किया गया था। चंडीगढ़ में भारतीय दंड संहिता की धारा 304, भाग-2 के अंतर्गत उन पर मुकदमा चला और सेशन जज ने दोषी पाते हुए 2 साल की कैद और 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। यह सजा दर्शन लाल की गवाही के आधार पर हुई थी। इस निर्णय के खिलाफ हुई अपील में ऊपरी अदालत ने अभियोजन पक्ष की ओर से दर्शन लाल के बयानों को 'सरासर झूठी कहानी' बताया। न्यायलय ने आगे कहा = 'यह यकीन करना नामुमकिन है कि वादी न. 1 -इंदु आनंद - एक युवा महिला, जिसका 17 वर्ष का बेटा, 14 वर्षीय बेटी और लगभग 17 साल का भतीजा हो, वह इन छोटे बच्चों के बारे में सोचे बिना अपने प्रिय पति को मरवाने की सोच भी सकती है।' अदालत ने सभी वादियों को यह कहते हुए बरी किया = 'लब्बोलुआब यह, न्यायलय ने पाया है कि सीबीआई ने ऊपर वर्णित सबूत, जो साफ तौर पर संकेत दे रहे हैं कि मृतक आनंद ने आत्महत्या की है, इनकी अनदेखी कर सभी वादियों को नाहक मुकदमे में फंसाया है। इस सिलसिले में याचियों को कई सालों तक संत्रास और कष्टदायी पीड़ा से गुजरना पड़ा है। यह न्याय का मज़ाक है। यह नहीं भूलना चाहिए = 'जिंदगी में एक बार जो मूल्य (इज्जत) खो जाते हैं, वे वापस कभी नहीं मिलते', अतएव उन्हें बाइज्जत बरी करना जरूरी है।

इस पूरे मामले में चौंकाने वाला अवयव है, निचली अदालत में मुकदमे का निर्णय आने में हुई असामान्य देरी और इस फैसले के खिलाफ ऊपरी न्यायलयों में सुनवाई पर लगे सालों-साल। याद रहे, केस अर्सा पहले यानी जुलाई, 1983 को दर्ज हुआ था, लेकिन 23 फरवरी, 1996 को अर्थात? 13 साल बाद सेशन जज अमर दत्त (जो कि बाद में उच्च न्यायलय में न्यायाधीश बने) द्वारा फैसला सुनाए जाने पर यह प्रक्रिया पूरी हो पाई। आगे इस निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायलय में की गई अपील पर निर्णय आने में और भी ज्यादा वक्त लगाङ्क 21 साल! यह 23 मार्च, 2017 का दिन था, जब सुनवाई पूरी हुई और निर्णय आया। इस अंतराल में कुछ जजों ने केस सुनने से मना कर दिया था। आखिरकार एक जज, जस्टिस एबी चौधरी, जो बॉम्बे हाईकोर्ट से बदली होकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायलय आए थे, उन्होंने सुनवाई की। मामला यहीं खत्म नहीं होता। अभियुक्तों को उच्च न्यायलय द्वारा बरी करने वाले निर्णय के विरुद्ध सीबीआई ने सर्वोच्च न्यायलय में विशेष विवेकाधीन याचिका (स्पेशल लीव पटिशन) दायर कर दी। आगे सर्वोच्च न्यायलय में अंतिम तौर पर मामला बंद होने में 4 साल लग गए, जब सीबीआई की याचिका खारिज हो गई। इसलिए देखा जाए तो वादियों पर चिंता का बोझ 38 साल के लंबे अरसे तक बना रहा। यह किसी की जिंदगी का लगभग आधा हिस्सा होता है। जब मामला शुरू हुआ तो इंदु आनंद 38 वर्षीय युवा महिला थीं, अब 76 वर्षीय वृद्धा हैं। उनका बेटा और भतीजा, जो कि उस वक्त किशोर थे, अब उम्र के 50वें दशक में हैं। याचिकाकर्ता, जिन्हें दिवंगत आनंद की मौत के लिए जिम्मेवार होने के रूप में देखा जाता रहा, इस पूरे समय समाज उन्हें किस निगाह से देखता होगा, इसके बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। जिस संत्रास से उन्हें गुजरना पड़ा उसका असर सेहत पर हुए बिना नहीं रह सकता। लगभग पूरी जिंदगी तबाह हो गई। इतना सब काफी नहीं था, वादियों को गंभीर आर्थिक संकटों का सामना भी करना पड़ा, क्योंकि इंदु सामान्य हालत में मिलने वाली पारिवारिक पेंशन से वंचित रहीं। अभी तक, उनको एक पाई नहीं मिली है। सच तो यह है कि बरी किए जाने के बाद इंदु को बनती पारिवारिक पेंशन पाने को उच्च न्यायलय में गुहार लगाने को मजबूर होना पड़ा था। जहां तक उनके पुत्र-भतीजे की बात है, सजा के पात्र वाले ठप्पे ने बढ़िया रोजगार पाने के बहुत से दरवाज़े बंद कर डाले। इन 38 सालों में याचियों को जिन भी मुश्किलों से गुजरना पड़ा, उसके मद्देनज़र यह सरकार की जिम्मेवारी है कि उन्हें मुआवज़ा मिलने पर विचार करे। यह पूरा प्रसंग न्यायाधीशों पर सही न्याय करने की जिम्मेवारी अहद होना स्पष्ट करता है, उन्हें अहसास होना चाहिए कि उनकी गलती से किसी को कितना कष्ट सहना पड़ता है। दार्शनिक प्लैटो के शब्दों में = 'अन्याय करना असर भुगतने से ज्यादा अपमानजनक है।' कोई हैरानी नहीं, जब कहा जाता है = 'अदालती फैसले से निर्दोष को कष्ट हो... तो इंसाफ रोता है।'

-सैफुल्लाह सिद्दिकी-

दरअसल, यूपी के अमेठी जिले में राइफल बनाने के लिए खुल रही आयुध फैक्ट्री में रूस की मदद बहुत जरूरी है। एके-203 राइफल बनाने में रूस माहिर है, इस लिहाज से उनका सहयोग अत्यंत जरूरी है। भारत सरकार ने पूर्व में ही रूस से लंबी दूरी के जमीन से आसमान में मारक क्षमता वाली एयर-मिसाइल डिफेंस सिस्टम एम-400 की खरीद के लिए उनसे करार किया हुआ है। पहली खेप मिल भी चुकी है, अगले साल तक और मिल जाएगी। इस करार से भारत ने अपनी क्षमता का परिचय उन देशों को दिया है, जो खुद को आधुनिक हथियारों में अग्रणी समझते हैं। विशेषकर अमेरिका और चीन। रूस के साथ भारत के ताजा करार ने चीन-पाक को असहज कर दिया है। गौरतलब है कि विभिन्न तरह की मुसीबतें और समस्याएं आईं, पर भारत-रूस की दोस्ती पर कभी असर नहीं पड़ा। आज से नहीं, बल्कि दशकों से रूस-भारत के द्विपक्षीय संबंध कसौटी पर खरे उतरे हैं, जिसे अब रूसी राष्ट्रपति की यात्रा ने और मजबूती प्रदान की है। उनकी यात्रा पर चीन-पाकिस्तान की भी नजरें रही। उन्हें पता है अगर दोनों देश मजबूती से साथ आ गए तो अफगानिस्तान में उनका खेल बिगड़ जाएगा।

रक्षा क्षेत्र में और आगे बढ़े भारत-रूस के कदम

रूस के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध हमेशा से कसौटी पर खरे उतरे हैं। चाहे रक्षा क्षेत्र के करार हों, सामरिक साझेदारियां हों, आतंकवाद से लड़ने में सहयोग का मामला हो, सभी क्षेत्रों में बेहतर परिणाम सामने आए हैं।संबंध अब नए सिरे से और आगे बढ़ने आरंभ हुए, जिनको पुतिन की यात्रा ने पंख लगाए। पुतिन बेशक कुछ ही घंटों के लिए हिंदुस्तान आए, पर खुराफाती देशों में खलबली मचा गए। हिंदुस्तान धीरे-धीरे संप्रभु ताकत बन रहा है, यही वजह है दुनिया अपने आप खिंचती आ रही है। जहां तक दोस्ती की बात है तो सिर्फ रूस-भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया इस बात को अच्छे से जानती है कि दोनों की दोस्ती अन्य मुल्कों के मुकाबले सबसे भरोसेमंद रही है। आगे भी रहेगी, क्योंकि इसकी तस्दीक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने की है। पुतिन का करीब डेढ़-दो वर्षों बाद हिंदुस्तान आना हुआ। कुछ समय के लिए ही आए, लेकिन इस दरम्यान उन्होंने रिश्तों में जो प्रगाढ़ता बढ़ाई वह काबिले तारीफ रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका दिल खोलकर स्वागत-सम्मान किया। वैसे, दोनों नेताओं की दोस्ती पहले से ही प्रगाढ़ रही है। राजनीतिक रिश्तों के इतर भी दोनों अपने आपसी संबंधों को तवज्जो देते हैं। भारत-रूस के मध्य दोस्ती की निरंतरता यूं ही बनी रहे, इसकी उम्मीद सभी करते हैं।

दरअसल, यूपी के अमेठी जिले में राइफल बनाने के लिए खुल रही आयुध फैक्ट्री में रूस की मदद बहुत जरूरी है। एके-203 राइफल बनाने में रूस माहिर है, इस लिहाज से उनका सहयोग अत्यंत जरूरी है। भारत सरकार ने पूर्व में ही रूस से लंबी दूरी के जमीन से आसमान में मारक क्षमता वाली एयर-मिसाइल डिफेंस सिस्टम एम-400 की खरीद के लिए उनसे करार किया हुआ है। पहली खेप मिल भी चुकी है, अगले साल तक और मिल जाएगी। इस करार से भारत ने अपनी क्षमता का परिचय उन देशों को दिया है, जो खुद को आधुनिक हथियारों में अग्रणी समझते हैं। विशेषकर अमेरिका और चीन। रूस के साथ भारत के ताजा करार ने चीन-पाक को असहज कर दिया है। गौरतलब है कि विभिन्न तरह की मुसीबतें और समस्याएं आईं, पर भारत-रूस की दोस्ती पर कभी असर नहीं पड़ा। आज से नहीं, बल्कि दशकों से रूस-भारत के द्विपक्षीय संबंध कसौटी पर खरे उतरे हैं, जिसे अब रूसी राष्ट्रपति की यात्रा ने और मजबूती प्रदान की है।

उनकी यात्रा पर चीन-पाकिस्तान की भी नजरें रही। उन्हें पता है अगर दोनों देश मजबूती से साथ आ गए तो अफगानिस्तान में उनका खेल बिगड़ जाएगा। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी बातचीत हुई। इस संबंध में रूस-भारत के विदेश मंत्रियों के मध्य टू-प्लस-टू वार्ता में कई मसलों पर मंथन हुआ, जिसका असर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगा। 21वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में कुछ कूटनीतिक निर्णयों में ऐसा फैसला लिया जाएगा जिससे पाक-चीन की नापाक हरकतें एक्सपोज होंगी। इसमें भारत-रूस के साथ और भी कुछ देश साथ आएंगे। इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनाई जा रही है। अमेठी में करीब पांच लाख राइफलों का निर्माण जाएगा, जिससे भारत की रक्षा क्षमता बढ़ेगी। इसमें हर तरह से सहयोग करने का वादा रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगुए ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष किया है। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी विदेश मंत्री लावरोव के मध्य एस-400 को लेकर हुई डील भी भारत की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी। किसी भी मुल्क की सेना के पास अगर एके-203 जैसी लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली राइफलें होंगी, तो दुश्मन उससे मुकाबला करने के लिए सौ बार सोचेगा। करेगा तो सौ फीसदी मुंह की खायेगा। इस बात की भनक दोनों खुराफाती पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को लग चुकी है। भारत ने रूस से अधिक सैन्य तकनीकी सहयोग की गुजारिश की है जिसे स्वीकार भी किया है। वहीं, भारत इस क्षेत्र में खुद उन्नत अनुसंधानिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रूस इस बात को जान रहा है कि भारत अपनी मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और अपने लोगों की अंतर्निहित क्षमता के साथ तमाम चुनौतियों पर काबू पाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुतिन का दौरा पहले भी होता रहा है। पर, पहले के मुकाबले पुतिन ने इस बार बदलते भारत की नई तस्वीर देखी। उन्हें इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भरता का मजबूत गठजोड़ दिखाई दिया। एक वक्त था जब दूसरे देशों के साथ सैन्य समझौतों में भारत हिचकता था, अविश्वास की कमी दिखती थी। इसलिए भारत के साथ कई मर्तबा धोखे भी हुए, जो करार हुआ उसका पालन नहीं किया गया। हथियारों की खेप समय से नहीं मिली। यहां उन देशों का नाम लेना उचित नहीं जिन्होंने भारत के साथ छल किया था। खैर, बीते दौर की बातों को भुलाकर भारत आगे बढ़ा है और वह भी मजबूती के साथ। उन्हें अब विश्वसनीय नेताओं और देशों का सहयोग मिला है। एक जमाना वो भी था जब अमेरिका का शिकंजा हुआ करता था। कोई भी देश जब किसी मुल्क से सैन्य करार करता था, तो वह अड़ंगा लगाकर जैसा वह चाहता था, वैसा होता था। लेकिन अब वक्त बदल चुका है। सभी मुल्क स्वतंत्र हैं, कुछ भी करने को। अमेरिका कभी नहीं चाहता था सैन्य ताकत में उनसे आगे कोई दूसरा देश निकले लेकिन अब आगे बढ़ चुके हैं। यही अमेरिका की सबसे बड़ी हार है। रूस-भारत जिस तरह बेखौफ होकर सैन्य करार को लेकर आगे बढ़े हैं, वह काबिलेगौर हैं। भारत, रूस सहित कुछ दूसरे मुल्क निकट भविष्य में अमेरिका का डटकर मुकाबला करेंगे, लेकिन उससे पहले चीन-पाक से निपटना होगा।

'हिन्द की चादर' गुरू तेग बहादुर

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर द्वारा गुरु श्री तेग बहादुर जी का शहीदी दिवस नानकशाही कैलेंडर के अनुसार 8 दिसम्बर को श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। हालांकि सरकारी अवकाश सूची में शहीद दिवस का अवकाश पुराने कैलेंडर के अनुसार 24 नवम्बर को दिया गया था लेकिन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अनुसार वास्तव में गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी दिवस 8 दिसम्बर को है, इसीलिए इस वर्ष यह अब 8 दिसम्बर को मनाया जा रहा है। सिखों के नौवें गुरू तेग बहादुर सदैव सिख धर्म मानने वाले और सच्चाई की राह पर चलने वाले लोगों के बीच रहा करते थे, जिन्होंने न केवल धर्म की रक्षा की बल्कि देश में धार्मिक आजादी का मार्ग भी प्रशस्त किया। सिखों के 8वें गुरू हरिकृष्ण राय की अकाल मृत्यु हो जाने के बाद तेग बहादुर को नौवां गुरू बनाया गया था, जिनके जीवन का प्रथम दर्शन ही यही था कि धर्म का मार्ग सत्य और विजय का मार्ग है। 1 अप्रैल 1621 को माता नानकी की कोख से जन्मे तेग बहादुर ने धर्म और आदर्शों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। 14 वर्ष की अल्पायु में ही उन्होंने अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में वीरता का परिचय दिया था और उनकी इस वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने ही उनका नाम 'तेग बहादुर' अर्थात् तलवार का धनी रखा था। गुरू तेग बहादुर ने हिन्दुओं तथा कश्मीरी पंडितों की मदद कर उनके धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राण गंवाए थे। क्रूर मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें हिन्दुओं की मदद करने और इस्लाम नहीं अपनाने के कारण मौत की सजा सुनाई थी- उनका सिर कलम करा दिया था। उस आततायी और धर्मांध मुगल शासक की धर्म विरोधी तथा वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरूद्ध गुरू तेग बहादुर का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों में गुरू तेग बहादुर का स्थान अद्वितीय है। एक धर्म रक्षक के रूप में उनके महान बलिदान को समूचा विश्व कदापि नहीं भूल सकता। उस समय औरंगजेब ने आदेश पारित किया था कि राजकीय कार्यों में किसी भी उच्च पद पर किसी हिन्दू की नियुक्ति नहीं की जाए और हिन्दुओं पर 'जजिया' (कर) लगा दिया जाए। उसके बाद हिन्दुओं पर हर तरफ अत्याचार का बोलबाला हो गया। अनेक मंदिरों को तोड़ कर वहां मस्जिदें बनवा दी गई और मंदिरों के पुजारियों, साधु-संतों की हत्याएं की गई। हिन्दुओं पर लगातार बढ़ते अत्याचारों और भारी-भरकम नए-नए कर लाद दिए जाने से भयभीत बहुत सारे हिन्दुओं ने उस दौर में धर्म परिवर्तन कराकर मजबूरन इस्लाम धर्म अपना लिया। औरंगजेब के अत्याचारों के उस दौर में कश्मीर के कुछ पंडित गुरू तेग बहादुर के पास पहुंचे और उन्हें अपने ऊपर हो रहे जुल्मों की दास्तान सुनाई। गुरू जी ने उनकी पीड़ा सुनने के बाद मुस्कराते हुए कहा कि तुम लोग बादशाह से जाकर कहो कि हमारा पीर तेग बहादुर है, अगर वह मुसलमान हो जाए तो हम सभी इस्लाम स्वीकार कर लेंगे। कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर के सूबेदार शेर अफगन के मार्फत यह संदेश औरंगजेब तक पहुंचाया तो औरंगजेब बिफर उठा। उसने गुरू तेग बहादुर को दिल्ली बुलाकर उनके परम प्रिय शिष्यों मतिदास, दयालदास और सतीदास के साथ बंदी बना लिया और तीनों शिष्यों से कहा कि अगर तुम लोग इस्लाम धर्म कबूल नहीं करोगे तो कत्ल कर दिए जाओगे। भाई मतिदास ने जवाब दिया कि शरीर तो नश्वर है और आत्मा का कभी कत्ल नहीं हो सकता। यह सुनकर औरंगजेब ने मतिदास को जिंदा ही आरे से चीर देने का हुक्म दिया। औरंगजेब के फरमान पर जल्लादों ने भाई मतिदास को दो तख्तों के बीच एक शिकंजे में बांधकर उनके सिर पर आरा रखकर आरे से चीर दिया और उनकी बोटी-बोटी काट दी लेकिन जब भाई मतिदास को आरे से चीरा जाने लगा, तब भी वे भयभीत हुए बिना 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे।

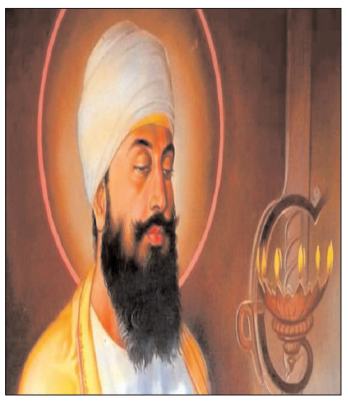

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में ओमीक्रोन वेरिएंट की दस्तक, दो मामले दर्ज

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट के पहले दो मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इनमें से एक नेपाली नागरिक है जबकि एक विदेशी नागरिक है। नेपाली नागरिक 71 साल का है जबकि विदेशी नागरिक 66 साल का है। वह 19 नवंबर को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के जरिए देश में दाखिल हुआ था। हवाई अड्डे पर दोनों ने एयरपोर्ट हेल्थ डेस्क पर पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाई थी। दोनों पूरी तरह से वैक्सीनेटिड थे। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि संक्रमित लोग रिकवर कर रहे हैं और इन्हें आइसोलेशन सुविधा में रखा गया है। संक्रमित लोगों के संपर्क में आए 66 लोगों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग कर ली गई है। इनके पीसीआर टेस्ट भी किए गए हैं, जो नेगेटिव आए हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ओमीक्रोन को वेरिएंट ऑफ कंसर्न कहा है। यह भारत सहित 40 से अधिक देशों में फैल गया है। इस वेरिएंट का सबसे पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था।

कंटास एयरवेस ने भारत के लिए शुरू की कमर्शियल फ्लाइट

कैनबरा,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की कंटास एयरवेस ने करीब एक दशक बाद भारत के लिए कमर्शियल फ्लाइट शुरू कर दी। सिडनी हवाईअड्डे ने ट्वीट कर कहा कि कंटास एयरवेस ने करीब 10 साल के बाद भारत के लिए कमर्शियल उड़ान की शुरुआत की। पहली फ्लाइट सिडनी से दिल्ली रवाना हुई। यह फ्लाइट बीच में एडिलेड में रुकी और दिल्ली में लैंड हुई। यह एयरलाइन सिडनी से दिल्ली के लिए हफ्ते में तीन फ्लाइट का संचालन करेगा। जनवरी 2022 तक इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है।

पाकिस्तान में कोरोना के 232 नये मामले, सात की मौत

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 232 नये मामले और सात मौतें दर्ज हुई हैं। नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (एनसीओसी) ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। एनसीओसी ने कहा कि देश में अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 1,287,393 तक पहुंच गई है, जिनमें से 1,246,783 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। पाकिस्तान में सक्रिय मामलों की संख्या इस वक्त 11,826 है, जिनमें से 813 की हालत गंभीर है। महामारी से सोमवार को सात लोगों की मौत हुई, जिन्हें शामिल करते हुए कुल मरने वालों की संख्या 28,784 तक पहुंच गई है। पाकिस्तान का सिंध क्षेत्र संक्रमितों की कुल 476,958 संख्या के साथ महामारी से सबसे अधिक प्रभावित है। इसके बाद पूर्वी पंजाब क्षेत्र दूसरे नंबर पर है, जहां 443,560 मामले दर्ज हुए हैं।

न्यूजीलैंड में डेल्टा वैरिएंट के 98 नए मामले दर्ज

वेलिंगटन,एजेंसी। न्यूजीलैंड में मंगलवार को कोविड-19 के डेल्टा वैरिएंट के 98 नए मामले सामने आए हैं। इससे यहां संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 9,266 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, नए मामलों में 74 ऑकलैंड, 10 वाइकोटा, आठ प्लेन्टी की खाड़ी, एक तारानाकी और पांच मामले नेलसन से दर्ज हुए हैं। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि देश में 66 संक्रमितों का इलाज अस्पतालों में जारी है और सात मरीज गहन देखरेख इकाई में हैं। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, न्यूजीलैंड में कोविड-19 संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 12,057 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड में अब तक 93 प्रतिशत लोगों ने पहली कोरोना डोज लगवा ली है और 88 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है।

द कोरिया में करीब पांच हजार नये मामले, 64 और मरीजों की मौत

सोल,एजेंसी। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटो में करीब पांच हजार लोगों के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई वहीं 64 और मरीज अपनी जान गंवा बैठे। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 4954 नये मामलों के साथ इसके संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 4,82,310 हो गया है और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 3957 हो गयी है। संक्रमितों में 774 मरीजों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दूसरी तरफ कोरोना के नये वैरिएंट ओमीक्रॉन के 36 मामले सामने आये हैं, जिनमें नौ दूसरे देशों तथा 27 स्थानीय संक्रमण के हैं। देश में अब तक चार करोड़ 27 लाख 33 हजार 049 लोगों को कोविड-19 के डोज दिये जा चुके हैं जिनमें चार करोड़ 14 लाख 10 हजार 206 लोग पूरे डोज ले चुके हैं। इसके साथ ही 42 लाख 42 हजार 449 लोगों को बूस्टर डोज दिया गया है।

हर्षवर्धन श्रृंगला दो दिवसीय बंगलादेश यात्रा पर ढाका पहुंचे

ढाका,एजेंसी। भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला बंगलादेश की दो दिवसीय यात्रा पर ढाका पहुंचे। श्री श्रृंगला भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से ढाका पहुंचे। बंगलादेश में उनके समकक्ष मसूद बिन मोमेन ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। भारतीय विदेश सचिव अपनी यात्रा के पहले दिन आज अपने समकक्ष के साथ बातचीत करेंगे। इसके बाद वह विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन , सड़क परिवहन और पुल मंत्री और अवामी लीग के महासचिव अब्दुल कादर से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। वह बुधवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना से शिष्टाचार भेंट करेंगे और इसी दिन दिल्ली लौटेंगे। गत 26 मार्च के बाद श्री श्रृंगला की यह दूसरी बंगलादेश यात्रा है। उस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बंगबंधु की जन्म शताब्दी और बंगलादेश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती में भाग लेने के लिए यहां आये थे।

भारतीय राजदूत विक्रम ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी को दी विदाई

बीजिंग/नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय राजदूत विक्रम मिश्री ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी को विदाई दी। उन्होंने आशा जताया कि दोनों देश मौजूदा समस्याओं को हल करने और आपसी संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे ले जाने में सक्षम होंगे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में श्री मिश्री ने चीन में अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में विदेश मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई सहायता और सहयोग की सराहना की। भारत-चीन के संबंधों के बारे में श्री मिश्री ने कहा कि हमारे संबंधों में अवसर और चुनौतियां दोनों शामिल हैं। हालांकि पिछले साल सामने आईं कुछ चुनौतियां कई अहम अवसरों पर भारी रही, लेकिन हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य जैसे

कई अलग-अलग स्तरों पर हमारे बीच संचार जारी रहेगा और इसी के साथ दोनों पक्ष मौजूदा कठिनाइयों को हल करने और संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे ले जाने में काम करेंगे।

उन्होंने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में मौजूदा मुद्दों के पूर्ण समाधान को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश मंत्री वांग यी द्वारा किये गये प्रयासों पर प्रकाश डाला। भारतीय दूतावास के एक बयान में कहा गया कि दोनों विदेश मंत्रियों के बीच सहमति के अनुसार कई मुद्दों का पूर्ण समाधान जल्द ही हासिल किया जायेगा। जिससे दोनों देशों के संबंध सामान्य होंगे।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले तीन वर्षों में आपसी संबंधों को बढ़ावा देने के लिये राजदूत श्री मिश्री की भूमिका की तारीफ की। उन्होंने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं और आशा व्यक्त करते हुये कहा कि वह भारत-चीन संबंधों को और आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना जारी रखेंगे।

भजंत्री को हटाने के फैसले से प्रशासनिक अधिकारी सबक लें : सरयू राय

रांची,एजेंसी। झारखंड के पूर्व मंत्री और विधायक सरयू राय ने कहा है कि देवघर के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को हटाने के निर्देश से राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों को सबक लेना चाहिए। ज्ञातव्य है कि चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को देवघर के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को हटाने का निर्देश दिया है। श्री सरजू राय ने मंगलवार को कहा कि इससे प्रशासनिक अधिकारियों को सबक लेना चाहिए कि वे किसी के निजी सेवक नहीं बनें।

उल्लेखनीय है कि गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ केस दर्ज कराये जाने के मामले में आयोग ने उपायुक्त के खिलाफ नाराजगी जताते हुए यह आदेश जारी किया है। राय ने कहा है कि आयोग का ये निर्णय एक बड़ी घटना है। इसके सबक भी हैं। झारखंड के प्रशासनिक अधिकारियों को इससे सबक लेने की जरूरत है। किसी भी स्थिति में अधिकारियों को किसी के निजी सेवक के तौर पर आचरण करने से परहेज करना चाहिये।

उनके लिये संविधान, नियम, कानून सर्वोपरि हो। इसके हिसाब से ही काम करें। दुबे के खिलाफ देवघर उपायुक्त के कहने पर पांच केस अलग-अलग थानों में दर्ज कराये गये थे। इस पर भाजपा ने लगातार उपायुक्त पर हमला बोला था। भाजपा नेताओं ने कहा था कि उपायुक्त झामुमो कार्यकर्ता के तौर पर जिले को चला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मंजूनाथ भजंत्री को हटाने के मामले में चुनाव आयोग के प्रधान सचिव राहुल शर्मा ने आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि बगैर आयोग की सहमति के उन्हें किसी जिले में उपायुक्त नहीं बनाया जाये। साथ ही दो सप्ताह के अंदर विभागीय कार्यवाही चलाने और मेजर पेनाल्टी के आरोप पत्र देने की भी हिदायत दी है।

हक्कानी ने पाकिस्तान के साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग पर बातचीत की

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के कार्यवाहक उच्च शिक्षा मंत्री अब्दुल बाकी हक्कानी ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में पाकिस्तान के साथ संभावित सहयोग पर बातचीत की है। अफगानिस्तान में लड़कियों के लिए शिक्षण संस्थानों को फिर से खोलने के आह्वान के बीच हक्कानी की अगुवाई में उच्च शिक्षा मंत्रालय के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में उच्च शिशा आयोग का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में अकादमिक मामलों के उप मंत्री लोतफुल्ला खैरख्वा और काबुल विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ ओसामा अजीज भी शामिल हैं।

तालिबान के इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान ने केवल छठी कक्षा तक लड़कियों के लिए स्कूल खोले हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या परिषद का भी दौरा किया जहां उन्हें एकल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और उसके उद्देश्यों पर एक ब्रीफिंग दी गई। इस बीच पाकिस्तान के

अफगानिस्तान के राजदूत मंसूर अहमद खान ने कहा कि दोनों देशों के बीच सकारात्मक बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि अफगानी मंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल उच्च शिक्षा और दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के क्षेत्र में और सहयोग तलाशेगा। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान के शिक्षा मंत्री का यह पहला पाकिस्तान दौरा है। पिछले महीने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगान स्वास्थ्य मंत्री डॉ कलंदर इबाद ने पाकिस्तान का दौरा किया था।

भारत-बंगलादेश की दोस्ती के 50 साल, हसीना ने जतायी खुशी

ढाका/नई दिल्ली,एजेंसी। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश के भारत के साथ मित्रता के 50 साल पूरे होने के मौके पर खुशी जताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सुश्री हसीना ने नयी दिल्ली में विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) में आयोजित मैत्री दिवस समारोह के दौरान प्रसारित एक वीडियो संदेश में इसका जिक्र किया। यह कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आधारित रहा।

उन्होंने दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ने, व्यापारिक गतिविधियों में तेजी लाए जाने पर ध्यान क्रेंदित करने की बात कही। उन्होंने कहा, हम अपने रिश्ते को महत्व देना जारी रखेंगे। साथ ही, यह वर्षगांठ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और आगे लेकर जाने का एक अवसर है। यह बंगलादेश और भारत के बीच की दोस्ती को अधिक मजबूत करने की दिशा में काम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराने का अवसर है। सुश्री हसीना ने दोहराया कि मार्च, 2021 में भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगलादेश की यात्रा के दौरान ढाका और नयी दिल्ली सहित 18 चयनित शहरों में संयुक्त समारोह करने और छह दिसंबर को मैत्री दिवस के रूप में मान्यता देने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि आने वाले दशकों में दोनों देशों के लोग मिलकर अपने दृष्टिकोण और विचारों को वास्तविकता में बदलते रहेंगे। ढाका ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में कहा, बंगलादेश और भारत राजनयिक संबंधों की स्थापना की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों के सफर में एक मील का पत्थर है। भारत ने छह दिसंबर, 1971 को बंगलादेश को एक स्वतंत्र और संप्रभु राज्य के रूप में मान्यता दी।

श्रीलंकाई नागरिक की लिंचिंग को पाक रक्षा मंत्री ने जायज ठहराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में श्रीलंकाई मूल के नागरिक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री परवेज खट्टक जायज ठहरा रहे हैं वहीं, प्रधानमंत्री इमरान खान विश्व को न्याय दिलाने और आरोपितों को सजा दिलाने का भरोसा दे रहे हैं। परवेज खट्टक ने सियालकोट में श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा की लिंचिंग को जायज ठहराते हुए कहा कि यह धार्मिक भावनाओं से प्रेरित गुस्साए युवकों का काम था। इस वारदात के लिए सरकार पर आरोप लगाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जब धर्म की बात आएगी तो मैं भी उत्तेजित हो जाऊंगा और गलत कर बैठूंगा।% खट्टक के इस बयान की देश में ही आलोचना होने लगी है। जानकारी के अनुसार सियालकोट जिले में शुक्रवार को उन्मादी भीड़ के हमले में मारे गए कपड़ा फैक्टरी के महाप्रबंधक प्रियंता कुमारा के शरीर का अवशेष सोमवार को कोलंबो पहुंचा। इससे पहले लाहौर हवाईअड्डे पर पंजाब के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री एजाज आलम ने ताबूत में बंद प्रियंता के शरीर का अवशेष श्रीलंकाई उच्चायोग के अधिकारियों को सौंपा।

फैक्टरी को जलाना व मालिक की भी हत्या करना चाहती थी भीड़

पाक पुलिस ने दावा किया कि भीड़ कपड़ा फैक्टरी को आग के हवाले करते हुए उसके मालिक की भी हत्या करना चाहती थी। फैक्टरी के महाप्रबंधक व श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा की बर्बर हत्या करने वाली भीड़ ने कई बोतलों में पेट्रोल इकट्ठा कर रखा था। भीड़ फैक्टरी मालिक की पिटाई कर रही थी, तभी पुलिस आ गई और उसे बचा लिया।

अफगानिस्तान में महिला शिक्षा पर अमेरिका से समर्थन के लिए मलाला युसूफजई ने दिया जोर

वॉशिंगटन,एजेंसी। मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित अफगानिस्तान की मलाला युसूफजई ने देश में महिला शिक्षा पर अमेरिका से समर्थन पर जोर दिया है। सुश्री मलाला ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ सोमवार को यहां मुलाकात की और अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्थन देने की वकालत की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जहां अभी लड़कियों की माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच नहीं है और उन्हें सीखने की मनाही है। उन्होंने एक 15 वर्षीय अफगानी लड़की का अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के नाम संबोधित एक पत्र श्री ब्लिंकन को सौंपा।

सोतोदा नाम की इस लड़की ने अपने पत्र में कहा, यह अभी अफगान लड़कियों का संदेश है। हम एक ऐसी दुनिया देखना चाहते हैं जहां सभी लड़कियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। यहां जितने लंबे समय तक स्कूल और

विश्वविद्यालय लड़कियों के लिए बंद रहेंगे, तब तक उनका भविष्य अंधकार में होगा। पत्र में लिखा गया है कि महिला शिक्षा शांति और सुरक्षा के लिए एक ताकतवर हथियार है तथा लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा उपलब्ध नहीं होने पर अफगानिस्तान को भी नुकसान होगा। सुश्री मलाला ने कहा, अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करेगा कि अफगानिस्तान में लड़कियों को शीघ्र ही स्कूलों में जाने की अनुमति दी जाये। श्री ब्लिंकन ने सुश्री मलाला को दुनिया भर की लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बताया और उनके कामों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद माध्यमिक स्कूलों में केवल लड़कों के लिए खोले गये हैं और सिर्फ पुरुषों को पढ़ाने की अनुमति है।

न्यायालय आते समय अपराधियों ने गोली मार हत्या कर दी

गोपालगंज। गोपालगंज न्यायालय के अधिवक्ता राजेश पांडे को न्यायालय आते समय अपराधियों ने गोली मार हत्या कर दी। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने पत्रकारों को बताया कि कुचायकोट थाना अंतर्गत खुटवनीया ग्राम के राजेश पांडे अधिवक्ता मोटरसाइकिल से गोपालगंज आ रहे थे। कुचायकोट थाने से गुजरने वाली एनएच 28 के पोखर भिंडा पुल के पास स्प्लेंडर सवार तीन अपराधियों ने अधिवक्ता को गोली मार दी और फरार हो गए। अधिवक्ता को सदर अस्पताल गोपालगंज लाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई। विरोध स्वरूप वकीलों ने मोनिया बाबा चौक को जाम कर दिया जिससे घंटों आवागमन ठप रहा। प्रशासन के आश्वासन पर जाम हटाया गया। उन्होंने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए सघन छापामारी की जा रही है।

बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में अंशदान करें : नीतीश कुमार

पटना। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह चैतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें सशस्त्र सेना झंडा दिवस का फ्लैग लगाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में अंशदान किया। देश के बहादुर सैनिकों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानियों अमर है। वे अपने जान के मूल्य पर राष्ट्र पर आये बाह्य एवं आंतरिक संकटों का मुकाबला बहादुरी के साथ करते हैं। इन बहादुर सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिये उन्होंने राज्यवासियों से बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में अंशदान किये जाने की अपील भी की।उन्होंने कहा कि आपका यह अंशदान बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता होगी।

पश्चिम चंपारण जिला के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटकीय स्थलों का समग्र रूप से करें विकास: डीएम

बगहा। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि जिला के विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटकीय स्थलों को युद्धस्तर पर विकास किया जाना है ताकि अधिक से अधिक पर्यटकों का जिले में आगमन हो, इससे एक ओर जहां स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा वहीं दूसरी ओर जिला की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिला में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, जिसके लिए पर्यटकीय स्थलों को विकास कराने के लिए समन्वित प्रयास लगातार किया जा रहा है। तीव्र गति से क्रियान्वित विकास कराने के लिए अधिकारियों को पूरी संजीदगी के साथ कार्य करना पड़ेगा। जिलाधिकारी अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक में अधिकारियों को निदेशित कर रहे थे। पर्यटन शाखा के प्रभारी पदाधिकारी ने बताया कि जिला के हजारीमल धर्मशाला, पूजहां

पटजिरवा माई स्थान, उदयपुर जंगल, सरेया मन, वृन्दावन आश्रम, सनकहिया माई स्थान, खड्डा माई स्थान, दुर्गाबाग, नंदनगढ़, राज ड्योढ़ी, अमवा मन, सोफा मंदिर, बलवल, सुभद्रा माई स्थान, सोमेश्वर पहाड़, टाईगर रिजर्व, रमपुरवा, भितिहरवा गांधी आश्रम, काली बाग मंदिर, सागर पोखरा आदि का समग्र रूप से विकास किया जाना है, जिसके लिए कार्रवाई प्रारंभ कर दी गयी है। मौके पर अपर समाहर्ता, नंदकिशोर साह, प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, प्रभारी पदाधिकारी, जिला पर्यटन शाखा, जिला खनिज पदाधिकारी, कनीय अभियंता, पर्यटन विभाग, पटना आदि उपस्थित रहे तथा सभी एसडीओ, अंचलाधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

एक नजर

रुपया एक पैसा चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही मजबूती के बीच घरेलू स्तर पर शेयर बाजार की तेजी के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा कारोबार के दौरान रुपया एक पैसा चढ़कर 75.44 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र के रुपया 75.45 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 14 पैसे की मजबूती के साथ 75.31 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 75.49 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा। सत्र के दौरान यह 75.26 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में एक पैसा चढ़कर 75.44 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

रिलायंस कैपिटल के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करेगा एनसीएलटी, मामले को स्वीकार किया

नई दिल्ली। रिलायंस कैपिटल ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कॉरपोरेट दिवाला प्रक्रिया के लिए उसके मामले को स्वीकार कर लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''एनसीएलटी, मुंबई के छह दिसंबर, 2021 के आदेश के अनुसार रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू की गई है। उसने कहा कि छह दिसंबर के आदेश के अनुसार नागेश्वर राव वाई को कंपनी का प्रशासक नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि एनसीएलटी ने सोमवार को रिलायंस कैपिटल के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के आवेदन को स्वीकार कर लिया। केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवेदन किया था। शीर्ष बैंक ने कर्ज लौटाने में चूक और संचालन के मुद्दों का हवाला देते हुए रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को भंग कर दिया था। कंपनी के प्रवर्तकों ने एक बयान में कहा कि वे तेजी से समाधान के लिए धारा 227 के तहत कंपनी को एनसीएलटी में भेजने के रिजर्व बैंक के आवेदन का समर्थन करते हैं। रिलायंस कैपिटल पर ऋणदाताओं का 19,805 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। इसमें से अधिकतर राशि न्यासी विस्तारा आईटीसीएल इंडिया के तहत बांड से जुड़ी है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने बकाया के मामले में स्पाइसजेट के परिसमापन का आदेश दिया

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने बकाया राशि नहीं चुकाने के मामले में निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी स्पाइसजेट लिमिटेड के परिसमापन का आदेश दिया है। अदालत ने स्विट्जरलैंड की एक कंपनी क्रेडिट सुइस एजी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के आधिकारिक परिसमापक (लिक्विडेटर) को स्पाइसजेट की संपत्ति पर कब्जा लेने का भी आदेश दिया है। क्रेडिट सुइस ने कंपनी कानून, 1956 के प्रावधानों के तहत भारतीय कंपनी के परिसमापन और आधिकारिक परिसमापक नियुक्त करने की अपील की थी। न्यायमूर्ति आर सुब्रमण्यम ने सोमवार को अपने आदेश में कहा कि स्पाइसजेट मतुसूदन गोवर्धनदास एंड कंपनी बनाम मधु वूलन इंडस्ट्रीज (पी) लिमिटेड मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा सुझाए गए तीन परीक्षणों के मोर्चे पर संतुष्ट करने में पूरी तरह विफल रही है। वही याचिकाकर्ता के अनुसार स्पाइसजेट ने विमान के इंजनों के रखरखाव, मरम्मत तथा संचालन के लिए अनिवार्य चीजों के लिए स्विट्जरलैंड की एसआर टेक्निक्स कंपनी से सेवाएं ली थीं।

सेबी ने विलय एवं अधिग्रहण को सुगम बनाने को सूचीबद्धता समाप्त करने संबंधी नियमों में संशोधन किया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के लिए विलय और अधिग्रहण सौदों को सुगम बनाने के प्रयासों के तहत खुली पेशकश के बाद कंपनी के इक्विटी शेयरों को गैर-सूचीबद्ध (शेयर बाजारों से हटाने) करने से संबंधित नियमों में संशोधन किया है। सेबी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, नई रूपरेखा के तहत प्रवर्तकों या अधिग्रहण करने वाली कंपनियों को प्रारंभिक सार्वजनिक घोषणा के जरिये कंपनी के शेयरों को एक्सचेंजों से हटाने की अपनी मंशा का खुलासा करना होगा। यदि अधिग्रहण करने वाली कंपनी लक्षित फर्म को गैर-सूचीबद्ध करना चाहती है, तो उसे खुली पेशकश के मूल्य से अधिक कीमत पर शेयरों को हटाने की घोषणा करनी होगी। सेबी ने कहा, ''यदि खुली पेशकश अप्रत्यक्ष तरीके से अधिग्रहण के लिए है, तो अधिग्रहण करने वाली कंपनी को खुली पेशकश के मूल्य और सांकेतिक कीमत का खुलासा विस्तृत सार्वजनिक बयान के दौरान और पेशकश पत्र में करना होगा। मौजूदा रूपरेखा के तहत यदि खुली पेशकश शुरू हो जाती है, तो अधिग्रहण नियमों के अनुपालन से अधिग्रहण करने वाली कंपनी की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत या कई बार 90 प्रतिशत से अधिक हो सकती है।

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 886 अंक और निफ्टी 264 अंक उछला

मुंबई,एजेंसी। वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर रिजर्व बैंक के नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने की उम्मीद और पिछले सत्र की भारी गिरावट के कारण हुयी लिवाली के बल पर आज शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी रही और इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी 1.56 प्रतिशत की बढ़त बनाने में सफल रहे लेकिन इसके बावजूद भी बाजार पिछले सप्ताह के स्तर पर नहीं पहुंच सका।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 886.51 अंक उठकर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 57633.65 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेज (एनएसई) का निफ्टी 264.45 अंक बढ़कर 17176.70 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुयी जोरदार लिवाली के बल पर छोटी और मझौली कंपनियों में भी खरीद हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 1.29 प्रतिशत बढ़कर 25161.62 अंक पर और स्मॉलकैप 1.14 प्रतिशत चढ़कर 28358.62 अंक पर रहा। बीएसई में हुयी चौतरफा लिवाली के बल पर सभी समूह हरे निशान में रहे। इसमें धातु 3.20 प्रतिशत, रियलटी 2.58 प्रतिशत, बैंकिंग 2.54 प्रतिशत और वित्त 2.05 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। हेल्थकेयर में सबसे कम 0.19 प्रतिशत की बढ़त रही। बीएसई में कुल 3394 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2331 में तेजी रही जबकि 946 में गिरावट दर्ज की गयी है। इस दौरान 117 में कोई बदलाव नही हुआ। वैश्विक स्तर पर सभी प्रमुख सूचकांक हरे निशान में रहे। ब्रिटेन का एफटीएसई 1.17 प्रतिशत, जर्मनी का डेक्स् 1.98 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.89 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 2.72 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.16 प्रतिशत शामिल है। बीएसई का सेंसेक्स 378 अंकों की उछाल लेकर 57 हजार अंक के स्तर को पार करते हुये 57125.98 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 56992.27 अंक के निचले स्तर तक उतरा लेकिन इसके बाद शुरू हुयी लिवाली के बल पर यह 57905.63 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस के 56747.14 अंक की तुलना में 1.56 प्रतिशत अर्थात 886.51 अंकों की बढ़त के साथ 57663.65 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एक मात्र एशियन पेंट्स 0.22 फीसदी की गिरावट में रहा। शेष सभी हरे निशान में रहे।

एनएसई का निफ्टी 132 अंकों की बढ़त के साथ 17 हजार अंक के स्तर को पार करते हुये 17044.10 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 16987.75 अंक के निचले और 17251.65 अंक के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 16912.25 अंक की तुलना में 1.56 प्रतिशत अर्थात 264.45 अंक बढ़कर 17176.70 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 45 हरे निशान में जबकि पांच लाल निशान में रही। सेंसेक्स में बढ़त में रहने वालों में टाटा स्टील 3.63 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 3.60 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 3.46 प्रतिशत, स्टेट बैंक 2.43 प्रतिशत, टाइटन 2.39 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.21 प्रतिशत, मारूति 2.06 प्रतिशत, पावरग्रिड 1.98 प्रतिशत, एचडीएफसी 1.79 प्रतिशत, सन फार्मा 1.76 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.58 प्रतिशत, नेस्ले इंडिया 1.45 प्रतिशत, टीसीएस 1.42 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.33 प्रतिशत, आईटीसी 1.26 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.26 प्रतिशत, इंड्सइंड बैंक 1.17 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.12 प्रतिशत, एचसीएलटेक 1.11 प्रतिशत, इंफोसिस 1.10 प्रतिशत, बजाज ऑटो 0.91 प्रतिशत, एल टी 0.88 प्रतिशत, एनटीपीसी 0.80 प्रतिशत, रिलायंस 0.77 प्रतिशत, महिंद्रा 0.76प्रतिशत, हिन्दुस्तान यूनिलीवर 0.65 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज 0.56 प्रतिशत और एयरटेल 0.27 प्रतिशत शामिल है।

पेट्रोल और डीजल में 33वें दिन टिकाव

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में तेजी आने के बावजूद आज लगातार 33 वें दिन देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी रही। दिल्ली में गत दो दिसंबर को वैट में कमी किये जाने के कारण पेट्रोल की कीमतें करीब आठ रुपये प्रति लीटर कम हुआ था और उसके बाद से दिल्ली में पेट्रोल 95.41 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

सिगांपुर में आज कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हुयी। लंदन ब्रेंट क्रूड 0.38 प्रतिशत बढ़कर 73.36 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.53 प्रतिशत बढ़कर 69.86 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करने से देश में इसकी कीमतों में कमी आयी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दोनों उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कमी की थी। कल दिल्ली सरकार ने भी पेट्रोल पंप मालिकों के बढ़ते दबाव में पेट्रोल पर वैट में 30 फीसदी की कटौती करने की घोषणा की जिससे आज दिल्ली में पेट्रोल 8.56 रुपये प्रति लीटर सस्ता हो गया। डीजल पर वैट में कोई कमी नहीं की गयी जिसके कारण यह पिछले दिवस के स्तर पर ही है।

दिल्ली एनसीआर में उत्तर प्रदेश और हरियाणा द्वारा वैट कम किये जाने से पेट्रोल और डीजल दिल्ली से सस्ता हो गया था जिसके कारण राजधानी में इसकी बिक्री पर काफी असर पर रहा था। इसके कारण डीलरों ने सरकार पर वैट कम करने का दबाव बनाया था। घरेलू बाजार में 33 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में वैट कम किये जाने के कारण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल के दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिके रहे। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

नोएडा हवाई अड्डे पर विमानों को ईंधन देने का ठेका इंडियन ऑयल स्काईटैंकिंग को

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निर्माणाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों को ईंधन की आपूर्ति की सुविधा इंडियन ऑयल स्काईटैंकिंग लि प्रदान करेगी। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस हवाई अड्डे का विनिर्माण कर रही कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. ने इसके लिए इंडियन ऑयल स्काईटैंकिंग लि. के साथ 30 वर्ष का अनुबंध किया है। इस अनुबंध के तहत देश में हवाई अड्डों पर विमानों को ईंधन की आपूर्ति करने वाली सबसे बड़ी सेवा प्रदाता इंडियन ऑयल स्काईटैंकिंग लि. (आईओएसएल) वहां ईंधन भंडार के लिए 10,000 वर्ग मीटर क्षमता की ईंधन टंकी और उससे जुड़ी प्रणालियां और सुविधाएं स्थापित करेगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य अधिशासी अधिकारी क्रिस्टॉफ श्नेल्लमैन्न ने एक बयान में कहा कि इंडियन आयल स्काईटैंकिंग ने इस काम के लिए अपने क्षेत्र में एक मजबूत प्रौद्योगिकी और सर्वश्रेष्ठ परिचालन योजना का प्रस्ताव दिया है। इससे वह हमारी भागीदार एयरलाइन कंपनियों को उपयुक्त लागत पर विमान ईंधन उपलब्ध करा सकेगी।

इंडियन आयल स्काईटैंकिंग के मुख्य अधिशासी अधिकारी टीएस दुपाड़े ने कहा कि कंपनी नोएडा अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए विशेष रूप से यह सुविधा स्थापित करेगी और इससे इस हवाई अड्डे का मान बढ़ेगा। यह कंपनी इंडियन आयल और जर्मनी की मारकुआर्ड एंड बाल्स कंपनी का संयुक्त उद्यम है। इसका गठन अगस्त 2006 में किया गया था। इसने बेंगलूरू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपनी सेवा शुरू की थी और आज देश में 23 जगहों पर काम कर रही है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशन के शत-प्रतिशत नियंत्रण वाली उसकी अनुषंगी कंपनी है।

एनसीएलटी ने एमजीएफ डेवलपमेंट्स के खिलाफ दिवाला कार्यवाही वापस लेने की अनुमति दी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने रियल्टी कंपनी एमजीएफ डेवलपमेंट्स के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता कार्यवाही को वापस लेने की मंजूरी दे दी है। रियल्टी कंपनी के वित्तीय कर्जदाताओं-मकान खरीदारों के साथ बकाये के निपटान के बाद एनसीएलटी ने यह अनुमति दी है।

एनसीएलटी ने बकाया लौटाने में चूक के चलते 30 नवंबर को कंपनी के खिलाफ कॉरपोरट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का निर्देश दिया था। साथ ही कंपनी के कामकाज को लेकर अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त करते हुए कंपनी के निदेशक मंडल को निलंबित कर दिया था। एमजीएफ डेवलपमेंट्स ने आदेश पारित करने के एक सप्ताह के भीतर गुरुग्राम के सेक्टर 25 में अपनी परियोजना 'द विलास कॉन्डोमिनियम' के रेजिडेंट एसोसिएशन को ब्याज-सुविधा वाली रखरखाव सुरक्षा (आईबीएमएस) रकम ब्याज के साथ वापस कर दी और न्यायाधिकरण से संपर्क कर सीआईआरपी वापस लेने का आग्रह किया। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने एमजीएफ डेवलपमेंट्स की याचिका स्वीकार करते हुए सीआईआरपी वापस लेने की अनुमति दे दी। न्यायाधिकरण ने कहा, ''इसके साथ कंपनी दिवाला प्रक्रिया से मुक्त है और प्रबंधन को पूर्व स्तर पर बहाल किया जाता है। एसोसिएशन ने न्यायाधिकरण से कहा कि उसे कंपनी द्वारा लिये गये ब्याज सुविधा वाले रखरखाव सुरक्षा मद में जमा 8.33 करोड़ रुपये मिल गये हैं। साथ ही 2.71 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा कंपनी ने कानूनी खर्च के रूप में 66 लाख रुपये का भुगतान किया है।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा 52 रिंगिट फिसलकर 5173 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.75 सेंट की बढ़त लेकर 57.09 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर होने से घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव देखा गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव पड़े रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में सुस्ती रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में लगभग टिकाव रहा। चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में टिकाव रहा। अनाज: अनाज मंडी में भी सुस्ती रही। इस दौरान गेहूं चावल के भाव पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे -

दाल-दलहन: चना 4900-5000, दाल चना 6000-6100, मसूर काली 8900-9000, मूंग दाल 8650-8750, उड़द दाल 9650-9750, अरहर दाल 8800-8900 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2220-2340 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस 3620-3720, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3500-3600 और गुड़ 3200-3300 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 19560 रुपये, मूंगफली तेल 17582 रुपये, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये, सोया रिफाइंड 15385 रुपये, पाम ऑयल 13187 रुपये और वनस्पति तेल 14066 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

स्टेनलेस स्टील कारोबारी ने की 500 करोड़ की अघोषित लेनदेन

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने अहमदाबाद में मुख्य तौर पर स्टेनलेस स्टील और धातु के पाइपों का व्यापार करने वाले एक समूह के यहां छापेमारी की है जिसमें 1.80 करोड़ रुपये नकद और 8.30 करोड़ रुपये की कीमत के अघोषित आभूषणों को जब्त किया गया है। अब तक 18 बैंक लॉकरों को सील कर दिया गया है। तलाशी अभियान में 500 करोड़ रुपये से अधिक का अघोषित लेन-देन पकड़ा गया है। विभाग ने आज यहां जारी बयान में बताया कि गत 23 नवंबर को इस समूह के अहमदाबाद और मुंबई स्थित 30 से अधिक परिसरों पर छापेमारी की गयी थी। तलाशी अभियान के दौरान बड़े पैमाने पर आपत्तिजनक दस्तावेज, फुटकर कागजात, डिजिटल प्रमाण आदि बरामद हुये, जिन्हें जब्त कर लिया गया। इन सबूतों में समूह की अघोषित आय का पूरा हिसाब-किताब दर्ज है, जिस पर देय टैक्स नहीं दिया गया था। सबूतों के शुरूआती विश्लेषण से पता चला है कि समूह माल और स्क्रैप की नकदी बिक्री करता रहा है, जिसका कोई हिसाब नहीं रखा गया है। बही-खातों में इसे दर्ज नहीं किया गया है। इसके अलावा, अघोषित नकदी को कर्ज में देना और उस पर ब्याज वसूलना, नकदी खर्च, खर्च का जाली हिसाब, आदि का भी पता चला है। ये सारे आपराधिक सबूत हैं। समूह के मुख्य कर्ता-धर्ता की व्हॉट्सैप-चैट भी पकड़ी गई है, जिसे डिलीट कर दिया गया था। इससे पता चला है कि समूह ने कर-योग्य आय को कम दिखाने के इरादे से खातों में भारी हेर-फेर किया है। कुछ बेनामी सम्पत्तियों का भी पता चला है।

तमिलनाडु में दो समूहों पर छापेमारी, एक हजार करोड़ की बिक्री का हिसाब नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। आयकर विभाग ने तमिलनाडु के दो व्यापारिक समूहों के यहां छापेमारी की है जिसमें एक समूह के यहां एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री का हिसाब नहीं मिला है जबकि दूसरे समूह के यहां से 80 करोड़ रुपये की जाली रसीदें मिली हैं। इसके साथ ही दोनों समूहों की तलाशी में 10 करोड़ रुपये की नकदी और छह करोड़ रुपये के आभूषण तथा अन्य कीमती धातु पकड़ी गई।

विभाग ने आज यहां बताया कि गत एक दिसंबर को यह छापेमारी की गयी थी। दोनों समूह आभूषणों की खुदरा बिक्री, कपड़ा और घरेलू उपकरणों का व्यापार करते हैं। इनकी चेन्नई, कोयंबतूर, मदुरै और तिरुनेलवेली में लोकप्रिय स्टोरों की श्रृंखला है। कार्रवाई के दौरान कुल मिलाकर 37 परिसरों को खंगाला गया। पहले समूह के मामले में तलाशी के दौरान कागजात और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किये गये और उन्हें जब्त कर लिया गया। तलाशी में पता चला कि समूह बहुत होशियारी से बही-खातों में हेर-फेर करता है। कई वर्षों के दौरान एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री का हिसाब-किताब दबा लिया गया है। इसके अलावा यह भी पता लगा कि समूह ने पिछले पांच वर्षों के दौरान कपड़े और आभूषणों की लगभग 150 करोड़ रुपये की नकद खरीद की है, जिसका कोई हिसाब नहीं है। दूसरे समूह के मामले में तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुये और उन्हें जब्त कर लिया गया। इन कागजात से पता चलता है कि कुछ लोगों से समूह ने जाली रसीदें हासिल की हैं, जो 80 करोड़ रुपये की हैं। इस तरह कर योग्य आय को छुपा लिया गया। सोने की अघोषित खरीद के सबूत भी जमा किये गये हैं। इसके अलावा, समूह के बारे में यह भी पता चला है कि आभूषण बनाने की लागत को बढ़ा-चढ़ाकर खर्चे में दिखाया गया है। साथ ही, अघोषित किराये की रसीदें भी मिली हैं। सात करोड़ रुपये का स्क्रैप बेचने के बारे में भी पता चला है, जिसका कहीं कोई हिसाब नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नया युग, जो रूट के लिए खुद को साबित करने वाली एशेज

ब्रिस्बेन,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बुधवार से यहाँ होने वाले पहले एशेज टेस्ट में दोनों टीमों की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम नए कप्तान पैट कमिंस के नेतृत्व में अपनी चुनौती रखेगी जबकि इंग्लैंड अनुभवी जो रुट के मार्गदर्शन में उतरेगा। इंग्लैंड टीम में कुछ युवा खिलाड़ियों के होने के बावजूद यह सीरीज़ जो रूट की कप्तानी के साथ ही उनके दो दिग्गज़ तेज़ गेंदबाज़ों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की विरासत साबित करने वाली होगी, जिनका यह क्रमश: पांचवां और चौथा ऑस्ट्रेलिया दौरा है।

रूट अपने करियर की सबसे बेहतरीन फ़ॉर्म के वक़्त यहां पर आए हैं, जबकि एंडरसन और ब्रॉड की फ़िटनेस पर कई सवाल हैं। बेन स्टोक्स टीम में हैं, लेकिन जुलाई से वह क्रिकेट नहीं खेले हैं और मार्च से तो वह लाल गेंद क्रिकेट भी नहीं खेले हैं। हालांकि उनकी क्लास और प्रतिस्पर्धा पर कभी सवाल नहीं उठाए जा सकते हैं। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में अपने पिछले 10 टेस्ट में से नौ मैच हारे हैं और एक भी जीत दर्ज़ नहीं की है। अगर इंग्लैंड के ऑस्ट्रेलिया में पिछले 20 टेस्ट की बात करें तो इंग्लिश टीम ने तीन जीत, 15 हार और दो ड्रॉ खेली है। कुक ने इस दौरान 67, नाबाद 235, 148, 82, 189 और नाबाद 244 के स्कोर बनाए हैं। अगर रूट को इंग्लैंड के कप्तान के रूप में अपनी विरासत को मज़बूत करना है तो कुछ ऐसा ही कमाल करके दिखाना होगा। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ों ने ऑस्ट्रेलिया में ज्यॉफ़ बॉयकॉट, क्रिस ब्रॉड और कुक के साथ एशेज़ की सफलता की कुंजी रखी है, जिसमें इंग्लैंड को क्रमश: 1970-71, 1986-87 और 2010-11 में जीतने में मदद मदद मिली, जबकि माइकल वॉन ने 2002 में तीन शतक बनाए थे और सीरीज़ में इंग्लैंड को व्हाइट वाश से बचाया था। इसके बाद आते हैं रोरी बर्न्स, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने 2019 एशेज़ सीरीज़ में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ एजबेस्टन में एक शतक और अन्य मुक़ाबलों में दो अर्धशतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण के सामने ख़ुद को साबित किया था। उन्होंने पिछली गर्मियों की शुरुआत में घरेलू सरजमीं पर न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ और भी बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन भारत के ख़िलाफ़ उनका अनुभव देखने को मिला जब हेडिंग्ले में उन्होंने 153 गेंदों में 61 रनों की पारी खेलकर इंग्लैंड को सीरीज़ में बराबरी पर ला दिया। अगर इंग्लैंड को जीत हासिल करनी है तो बर्न्स को इस सीरीज़ में एक से अधिक शतक लगाने की ज़रूरत है, जैसा कि वॉन ने किया था। वैसे तीन शतक भी पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर के बारे में भी यही कहा जा सकता है। टेस्ट बल्लेबाज़ के रूप में वह वर्तमान में कहां है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है क्योंकि उन्होंने 23 महीनों में सिर्फ़ दो टेस्ट खेले हैं और दोनों में वह चोटिल हुए हैं। वॉर्नर को अपने साथी की तलाश है लेकिन वॉर्नर का फ़ॉर्म ख़ुद भी सवालों के घेरे में है। टी20 विश्व कप ने साबित कर दिया कि जब वह किसी भी प्रारूप में रन बनाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया ट्रॉफ़ी जीतता है। वह गाबा में पहली सुबह के दो घंटे में ही इंग्लैंड के हाथों से सीरीज़ छीनने की क्षमता रखते हैं। लेकिन 2019 और ब्रॉड का भूत आज भी उनके मन में बैठा हुआ होगा। अगर ब्रॉड और एंडरसन दोनों ब्रिस्बेन में नहीं खेलते हैं, तो निश्चित रूप से वॉर्नर चैन की सांस लेंगे। अगर वह लाबुशेन और स्मिथ को मंच प्रदान करते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज़ों को बचाव के लिए अच्छा स्कोर मिल सकता है। तब घरेलू टीम को रोकना बहुत मुश्किल होगा। ऑस्ट्रेलिया ने बिना ज़्यादा झिझक के अपनी एकादश चुनी है। वॉर्नर के साथी के रूप में मार्कस हैरिस का नाम काफ़ी पहले चुन लिया गया था, जबकि मिचेल स्टार्क और जाय रिचर्डसन के बीच चुनाव पर सार्वजनिक रूप से बहुत बहस थी, लेकिन स्टार्क को अपने चयन पर कोई संदेह नहीं था।

भारत टेस्ट सीरीज के लिए रबादा, डी कॉक और नॉर्त्जे की दक्षिण अफ्रीका टीम में वापसी

जोहान्सबर्ग,एजेंसी। भारत के खिलाफ इस महीने के अंत में शुरू होने वाले तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए स्टार खिलाड़ियों कैगिसो रबादा, क्विंटन डी कॉक और एनरिक नॉर्त्जे की दक्षिण अफ्रीका टेस्ट टीम में वापसी हुई है। नीदरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में आराम दिए जाने के बाद रबादा, डी कॉक और नॉर्त्जे को अब सभी महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं में टीम बुलाया गया है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका का लक्ष्य आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2021-23 चक्र की सकारात्मक शुरुआत करना है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को 21 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें तेज गेंदबाज डुआने ओलिवियर को शामिल किया गया है जो आखिरी बार 2019 में दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेले थे। वहीं तेज गेंदबाज ग्लेनटन स्टुरमैन, ऑलराउंडर प्रेनेलन सुब्रायन और विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेल्टन को पहली बार राष्ट्रीय टीम में चुना गया है, जबकि एक वनडे और चार टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सिसांदा मगला को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। 2017 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से दस टेस्ट मैच खेल चुके ओलिवियर कोलपैक खिलाड़ी के रूप में कार्यकाल खत्म करने के बाद इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका लौटे और इस सीजन शानदार फॉर्म में रहे। टेस्ट के शानदार खिलाड़ी डीन एल्गर टीम को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि तेम्बा बावुमा उप कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। दक्षिण अफ्रीका की 21 सदस्यीय टीम ऩडीन एल्गर (कप्तान), तेम्बा बावुमा (उप कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), कैगिसो रबादा, सरेल इरवी, बेउरन हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, लुंगी एनगिदी, एडेन मार्करम, वियान मल्डर, एनरिक नॉर्त्जे, कीगन पीटरसन, रैसी वैन डर डुसेन, काइल वेरेन, मार्को जेन्सन, ग्लेनटन स्टरमैन, प्रेनेलन सुब्रेयन, सिसांदा मगला, रयान रिकेल्टन, डुआने ओलिवियर। दक्षिण अफ्रीकाई टीम के चयनकर्ताओं के संयोजक विक्टर म्पित्सांग ने एक बयान में कहा, हम चयनकर्ता होने के नाते टेस्ट क्रिकेट की वापसी के लिए उत्साहित हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के लिए यह प्रारूप बहुत महत्वपूर्ण है और इसे प्रासंगिक और जीवंत रखना संगठन की प्राथमिकताओं में से एक है। हम डीन एल्गर और उनके साथियों की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों पहले वेस्ट इंडीज में हमने दक्षिण अफ्रीका टीम का दबदबा देखा था। हमने जिस टीम को चुना है हमें उस पर पूरा भरोसा है और पिछले कुछ सत्रों में हमने जो प्रतिभा खोजी है, हम उसका समर्थन करने में पूरी तरह से विश्वास करते हैं और खिलाड़ियों को वह सपोर्ट देते हैं जिसके वे हकदार हैं, खासकर तब जब उन्होंने लगातार महत्वपूर्ण समय में अच्छा प्रदर्शन किया है।

स्टोक्स इंग्लैंड की 12 सदस्यीय एशेज टीम में शामिल, एंडरसन को दिया गया आराम

ब्रिसबेन। 8 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाले एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 12 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को शामिल किया गया है। इससे उन अटकलों पर विराम लग गया है कि उन्हें पहले टेस्ट के लिए आराम दिया जा सकता है क्योंकि वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। हालांकि, स्टोक्स को अभी भी इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन से बाहर किए जा सकते हैं क्योंकि कप्तान जो रूट टॉस पर अंतिम प्लेइंग इलेवन पर फैसला करेंगे। टेस्ट इतिहास में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को आराम दिया गया है। इंग्लैंड के प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि की है कि एंडरसन खेलने के लिए फिट हैं और उन्हें कोई चोट नहीं है। बल्कि, 39 साल के खिलाड़ी को आराम देने का निर्णय उनके कार्यभार को कम करने के लिए लिया गया, क्योंकि एशेज एक लंबी सीरीज होने वाली है। 2019 एशेज के दौरान इंग्लैंड को शुरुआती टेस्ट में चोट के कारण एंडरसन के रूप में नुकसान उठाया था। इसके बाद, एंडरसन ने वापसी करते हुए इस साल भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी घरेलू टेस्ट खेले थे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि इंग्लैंड 8 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। लेकिन, अंतिम प्लेइंग इलेवन की पुष्टि टॉस पर की जाएगी। पहले एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम: जो रूट (कप्तान), स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर (विकेटकीपर), हसीब हमीद, जैक लीच, डेविड मलान, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

जीत की राह पर लौटने के लिए भिड़ेंगे हैदराबाद और बेंगलुरू

बेम्बोलिन,एजेंसी। दक्षिण भारत के दो प्रतिद्वंद्वी हैदराबाद एफसी और बेंगलुरू एफसी बुधवार को बेम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के मैच में फिर से जीत की राह पकड़ने के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगे। कोच मैनोलो मार्क्यूएज की देखरेख में खेल रही हैदराबाद एफसी तीन मैचों से चार अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। स्पेनिश कोच मार्क्यूएज जमेशदपुर एफसी के खिलाफ ड्रा रहे मैच के पहले हाफ में अपनी टीम के प्रदर्शन से नाखुश थे और बेंगलुरू के खिलाफ बेहतर खेल की उम्मीद कर रहे हैं। दूसरी ओर, बेंगलुरू एफसी को अपने पिछले मैच में शीर्ष पर चल रही मुंबई सिटी एफसी से 1-3 की हार मिली और उसके खाते में चार मैचों से केवल एक जीत है। लेकिन जर्मन कोच मार्को पेज्जैओउली ने पिछले मैच के बाद कहा था कि शुरुआती दस मिनट में गोल खाने के बाद उनकी टीम ने ब्राजीली विंगर क्लीटन सिल्वा के जरिये जिसी तरह के खेल दिखाया, वो उससे खुश हैं। इसके पहले बेंगलुरू ने केरला ब्लास्टर्स से ड्रा 1-1 से खेलने से पहले ओड़िसा एफसी के खिलाफ 1-3 से मैच गंवाया था। हालांकि बेंगलुरू ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 4-2 से हराकर शुरुआत शानदार की थी। लेकिन पहले मैच में जीत के बाद से बेंगलुरू की समस्याएं बरकरार हैं। बहरहाल, दोनों ही टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की कोशिश करेंगी, क्योंकि निर्णायक मौकों पर एकाग्रता भंग होने का खमियाजा दोनों को ही उठाना पड़ा है।

अगर, आईएसएल में दोनों टीमों के बीच आपसी मुकाबलों को देखें, तो पलड़ा बेंगलुरू का भारी है। बेंगलुरू, हमेशा ही हैदराबाद के खिलाफ अजेय रही है। दोनों के बीच खेले गए चार मैचों में बेंगलुरू ने एक मैच जीता है और शेष तीन ड्रा खेले हैं। कोच मार्को पेज्जैओउली के लिए सुनील छेत्री की खराब फॉर्म चिंता का विषय है। क्योंकि भारत के दिग्गज फॉरवर्ड सुनील चार मैचों में एक भी गोल नहीं दाग सके हैं। पूर्व चैम्पियन टीम के कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनका खेलना संदिग्ध है या फिर वे पूरी तरह अनुपलब्ध हैं। बेंगलुरू के जर्मन कोच ने आगामी मैच से पहले अपडेट देते हुए बताया, प्रिंस इबारा के टेस्ट चल रहे हैं और अभी हम उनके खेलने को लेकर कुछ नहीं कह सकते हैं। उदांता सिंह, इमाम बासफा और यरोंडु मासावु-किंग की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। सार्थक गोलुई को घर पर कुछ आपातलीन परिस्थितियों के कारण बायो-बबल छोड़ना पड़ा है।

एक नजर

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने स्पिन गेंदबाजी कौशल को विकसित करने की मांग की

ऑकलैंड। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दूसरे और अंतिम टेस्ट में भारत से मिली करारी हार के बाद न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान जेरेमी कोनी ने सोमवार को ब्लैक कैप्स से अपने स्पिन गेंदबाजी कौशल को विकसित करने के लिए अधिक समय, ऊर्जा और पैसा देने की मांग की थी। भारत ने विश्व टेस्ट चौंपियन को 372 रनों से हराकर बड़े अंतर से अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ, भारत ने विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप में 12 अंक हासिल किए। भारतीय स्पिनरों ने तीसरे दिन खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में न्यूजीलैंड को 140/5 पर आउट कर दिया था और उन्होंने चौथे दिन सुबह 43 मिनट में ही जीत अपने नाम कर ली। 69 साल के कोनी ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) से स्पिन गेंदबाजी को निखारने के लिए ब्लैक कैप्स से सुधार करने के लिए कुछ समय और पैसा लगाने का आग्रह किया। हालांकि, न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने पहली पारी में अपने 10 विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर ला दिया था, लेकिन मेहमान टीम केवल 62 और 167 रन बनाकर ही सिमट गई थी।

स्पिन गेंदबाजी कौशल विकसित करने के लिए समय और पैसा लगाएं : कोनी का न्यूजीलैंड को सुझाव

क्राइस्टचर्च,एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान जेरेमी कोनी का मानना है कि भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में करारी शिकस्त मिलने के बाद उनकी टीम को अच्छी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ कौशल विकसित करने के लिए साहसी बनना होगा और इसमें समय और पैसा लगाने की जरूरत है। मुंबई में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे और दोनों पारियों में महज 62 तथा 167 रन ही बना सके। टीम ने सोमवार को यह टेस्ट मैच रिकॉर्ड 372 रन से गंवा दिया। कोनी ने 'एसईएनजेड' पर कहा, ''मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड क्रिकेट को साहसी होने की जरूरत है। उन्हें स्पिन गेंदबाजी में विश्वास करने और खेल के उस हिस्से के विकास के लिए समय और पैसा देने की जरूरत है। इस 69 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''हमें ऐसी जगह चाहिए जहां खिलाड़ी बल्लेबाजी कोच की देख रेख में स्पिन का सामना करें । हमें खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रयास करना चाहिए। भारत में जन्मे न्यूजीलैंड के स्पिनर ऐजाज पटेल ने इस मैच की पहली पारी में सभी 10 विकेट लेकर आश्चर्यचकित प्रदर्शन किया। वह इस रिकॉर्ड को बनाने वाले तीसरे गेंदबाज है। उन्होंने दूसरी पारी में भी चार विकेट लिये थे। न्यूजीलैंड के लिए 52 टेस्ट में 2668 रन बनाने वाले कोनी ने कहा, '' एक और विकल्प यह है कि हम न्यूजीलैंड में ऐसे विकेट तैयार करे जहां दूसरों की तुलना में गेंद को अधिक स्पिन मिले। इससे बल्लेबाजों के साथ विकेटकीपर और क्षेत्ररक्षकों को भी इन पिचों के बारे में समझने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, ''ये सभी पूर्णकालिक क्रिकेट है और मुझे लगता है कि हमें इस पर और अधिक काम करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड की यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने उसे 2007 में जोहानिसबर्ग में 358 रन से पराजित किया था।

जिंदगी में बदलाव के बारे में पता नहीं लेकिन न्यूजीलैंड के लिए 80-90 टेस्ट खेलना चाहता हूं : ऐजाज पटेल

मुंबई। भारत में जन्मे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर ऐजाज पटेल को यह नहीं पता है कि टेस्ट मैच की एक पारी में 10 विकेट झटकने के बाद उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आयेगा लेकिन इस प्रदर्शन के बाद उन्हें अपने देश के लिए 80-90 टेस्ट खेलने की उम्मीद है। मुंबई में जन्मे 33 साल के इस बायें हाथ के गेंदबाज ने पिछले सप्ताह इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने भारत की पहली पारी में सभी 10 विकेट लिए। वह जिम लेकर और अनिल कुंबले के बाद ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे क्रिकेटर बने। ऐजाज के परिवार के कई सदस्य अब भी मुंबई में रहते हैं। भारतीय टीम से टेस्ट श्रृंखला को 0-1 से गंवाने के बाद यहां से न्यूजीलैंड लौटने से पहले उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के बाद वह पैसे की बारिश की उम्मीद नहीं कर रहे हैं लेकिन उनकी कोशिश एशियाई मूल के बच्चों को न्यूजीलैंड में खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करने की होगी। ऐजाज से जब इस प्रदर्शन के बाद जिंदगी में आये बदलाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो मैंने इसके बारे में कुछ सोचा नहीं है। मैं इस समय अपने वर्तमान में हूं। उन्होंने कहा, '' हां, मैंने कुछ अद्भुत हासिल किया है, लेकिन यह एक नया दिन है और अभी और क्रिकेट खेलना बाकी है। मेरे लिए यह जमीन से जुड़े रहने के बारे में है । उन्होंने कहा, '' यह वास्तव में मुझ पर बहुत अधिक प्रभाव डालने वाला नहीं है क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरे करियर में अभी बहुत कुछ बाकी है। और अगर आप मेरे करियर को देखें, तो मैंने अभी सिर्फ 11 मैच खेले हैं। मैं उन क्रिकेटरों की सूची में शामिल होना चाहता हूं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 80 या 90 टेस्ट मैच खेले हैं। ऐजाज ने इस मौके पर नस्लवाद और 2019 में क्राइस्टचर्च में मस्जिद पर हुए आतंकवादी हमले के बारे में भी बात की। ऐसे समय में जब ब्रिटिश एशियाई क्रिकेटर अजीम रफीक ने लगाए गए नस्लवाद के आरोपों से इंग्लैंड के क्रिकेट में भूचाल आया है तब ऐजाज ने कहा कि न्यूजीलैंड में उन्हें कभी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''हम अब एक खेल के नजरिए से विविधता और नस्लवाद के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह कुछ ऐसा है जिसने मुझे विशेष रूप से मेरी संस्कृति में इतना प्रभावित किया है।

एटीपी कप के तीसरे संस्करण का ड्रॉ घोषित, ग्रुप ए का नेतृत्व करेंगे नोवाक जोकोविच

सिडनी,एजेंसी। एटीपी कप के तीसरे संस्करण का ड्रॉ मंगलवार को घोषित कर दिया गया। इस टूर्नामेंट में 16 देशों, जिसमें एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में से 18 शामिल होंगे, को चार समूहों में बांटा गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, टीम इवेंट 1-9 जनवरी 2022 तक सिडनी में होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के विश्व नंबर 1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ग्रुप ए का नेतृत्व करेंगे, जिसमें नॉर्वे, चिली और स्पेन भी शामिल होंगे। दो साल पहले, सर्बिया ने चैंपियनशिप मैच में स्पेन को हराकर उद्घाटन एटीपी कप की ट्रॉफी जीती थी। गत चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त रूस, ग्रुप बी में है, जिसमें इटली, ऑस्ट्रिया और मेजबान ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। वर्ल्ड नंबर 2 डेनियल मेदवेदेव और वर्ल्ड नंबर 5 एंड्री रुबलेव लगातार दूसरे साल अपने देश के शीर्ष दो एकल खिलाड़ी होंगे।

एटीपी फाइनल्स चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव के नेतृत्व में जर्मनी, कनाडा, ग्रेट ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रुप सी में है। ग्रीस पोलैंड, अर्जेंटीना और जॉर्जिया ग्रुप डी में शामिल हैं। एटीपी के मुख्य टूर ऑफिसर रॉस हचिन्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एटीपी कप 2022 सीज़न को लॉन्च करने के लिए हमारे लिए सिडनी से बेहतर कोई जगह नहीं है। खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में इस आयोजन में प्रतिस्पर्धा करना पसंद किया है। हमें खुशी है कि प्रशंसक सीजन के शुरुआती सप्ताह में दुनिया के कई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को अपने देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए देख पाएंगे और हम एक शानदार आयोजन की उम्मीद करते हैं। इस साल का नौ दिवसीय आयोजन सिडनी में केन रोजवेल एरिना और कुडोस बैंक एरिना में खेला जाएगा।

ग्रुप चरण के बाद, चार ग्रुप विजेता ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए नॉक-आउट सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। वीक वन में होने वाले कार्यक्रम के साथ-साथ एडिलेड और मेलबर्न में एटीपी 250 इवेंट होंगे। 2022 एटीपी कप में प्रत्येक देश से अधिकतम पांच खिलाड़ियों की एक टीम खेलेगी, जिसमें प्रत्येक टाई में दो एकल मैच और एक युगल मैच होगा। नंबर 2 एकल खिलाड़ी नंबर 1 एकल खिलाड़ी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, उसके बाद युगल मुकाबले होंगे।

भारत ने मुझे ब्रांड बनने का दिया मौका: ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो का मानना है कि भारत ने उन्हें वह ब्रांड बनने का मौका दिया है, जो वह वर्तमान में हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रशंसकों के प्यार के कारण देश उनके दिल के बहुत करीब हो गया है। ब्रावो अब अपने क्रिकेट करियर और संगीत के अलावा डीजेबी47 फैशन लेबल के साथ एक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो भारत में अगले साल लॉन्च के साथ ऑनलाइन उपलब्ध होगा।

ब्रावो ने आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह मेरे लिए बहुत खास है। क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं आज भारत के बिना आधा भी ब्रांड होता। यह एक सच्चाई है और मैं भारत का आभार जताना चाहता हूं। जो मेरे घर से बहुत दूर है। मुझे यहां के लोगों से जो प्यार मिला है। इसलिए निश्चित रूप से मेरे दिल के बहुत करीब है। यही कारण है कि जब मैं संगीत या क्रिकेट की बात करता हूं, तो उसमें हमेशा भारतीय उपस्थिति होती है। बायो-बबल में क्रिकेट खेलने के बारे में बात करते हुए ब्रावो ने अपनी चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही सकारात्मक पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। ब्रावो के अनुसार, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से ऐसे क्षण आए हैं, जहां यह चुनौतीपूर्ण लगा है। मेरे कहने का मतलब है कि कोरोना महामारी में बहुत से लोगों ने अपनी नौकरी खो दी और कुछ लोगों ने अपनी जान गंवा दी। हम अभी भी दुनियाभर में अपने प्रशंसकों के लिए काम करने, खेलने, कमाने और मनोरंजन करने में सक्षम हैं। इसलिए, मैं हमेशा सकारात्मक पक्ष को देखता हूं। इस तरह में बायो-बबल से निपटता हूं। वहीं, 38 साल की उम्र वाले इस खिलाड़ी ने उम्मीद जताई है कि बायो-बबल जल्द ही खत्म हो जाएगा। ब्रावो ने आईएएनएस को आगे बताया, खिलाड़ियों के रूप में उम्मीद करता हूं कि बायो-बबल जल्द ही समाप्त हो जाएगा, क्योंकि यह खिलाड़ियों पर भारी पड़ रहा है। आप देखते हैं कि बहुत सारे खिलाड़ी बायो-बबल के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो जाते हैं, क्योंकि यह मानसिक रूप से आप पर दबाव डालता है। मुझे लगता है कि क्रिकेट अधिकारियों को यह देखने की जरूरत है कि इससे कब तक बनाए रखेंगे। फिलहाल अधिकांश खिलाड़ी बायो-बबल में रहकर ही खेलेंगे। ब्रावो के मुताबिक, मैं हमेशा से फैशन में शामिल होना चाहता था, क्योंकि मैं ड्रेसिंग करना पसंद करता हूं। अब मेरा अपना ब्रांड है और अब लोग मेरे ब्रांड का सामान पहनना चाहते हैं तो इसलिए मैं सही दिशा में कदम उठा रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं खुद को एक ऐसे ब्रांड के रूप में देखना चाहता हूं, जिससे लोग खुद को जोड़ना चाहे। ब्रावो ने कहा, यह एक ट्रेंडी ब्रांड है, जो युवाओं, बच्चों और उनके माता-पिता को डीजे ब्रावो ब्रांड द्वारा बनाए गए कपड़े पहनने के लिए आकर्षित करेगा। उम्मीद है कि यह न केवल भारत में बल्कि ऑस्ट्रेलिया, यूके, कैरिबियन और यूएस जैसे स्थानों में विस्तारित होगा। यही मेरा अंतिम लक्ष्य है।

जमैका के घरेलू मैदान पर विदाई मैच खेलेंगे क्रिस गेल

जमैका। अगले साल 8 जनवरी से 16 जनवरी के बीच वेस्टइंडीज, आयरलैंड की मेजबानी करेगा। इस सीरीज में तीन वनडे और एक टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। माना जा रहा है कि यह क्रिस गेल का विदाई मैच होगा क्योंकि टी20 विश्व कप के समय गेल ने अपने घरेलू मैदान जमैका से ही क्रिकेट से विदाई लेने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि इस दौरान गेल वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। यह सीरीज विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा होगी, जिसके अंकों के आधार पर 2023 वनडे विश्व कप की टीमें तय की जाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, ष्हम लोगों को भी लगा कि उन्हें अपने घर से ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहना चाहिए। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से हमें यह मौका मिलेगा। क्रिस गेल जैसे महान कद के खिलाड़ी के लिए ऐसा करना बहुत जरूरी और उचित है कि वे अपने घरेलू समर्थकों के सामने उन्हें धन्यवाद देते हुए क्रिकेट से संन्यास लें।ष् इससे पहले आयरलैंड ने 2020 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था। तब टी20 सीरीज 1-1 से ड्रॉ हुई थी, जबकि वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज 3-0 से जीता था। जमैका के ही सबाइना पार्क ग्राउंड में आयरलैंड ने 2007 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक जीत हासिल की थी।

पाकिस्तान के खिलाफ बंगलादेश की पारी लड़खड़ाई

ढाका,एजेंसी। पाकिस्तान और बंगलादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच में तीन दिन बारिश की बाधा रहने के बाद मंगलवार को चौथे दिन जाकर खेल संभव हुआ। पाकिस्तान ने 63.2 ओवर में दो विकेट पर 188 रन से आगे खेलते हुए चार विकेट पर 300 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित कर दी।

बंगलादेश ने इसके जवाब में स्टंप्स तक अपने सात विकेट मात्र 76 रन पर खो दिए और उसपर फॉलोआन का खतरा मंडरा रहा है। बंगलादेश अभी पहली पारी में 224 रन से पीछे है। अजहर अली ने 52 और कप्तान बाबर आजम ने 71 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। अजहर अली 56 और बाबर आजम 76 रन बनाकर आउट हुए। फवाद आलम ने 96 गेंदों पर नाबाद 50 और मोहम्मद रिजवान ने 94 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाकर पाकिस्तान को 300 तक पहुंचा दिया। आजम ने इसी स्कोर पर पारी घोषित कर दी। ऑफ स्पिनर साजिद खान ने अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 12 ओवर में 35 रन पर छह विकेट लेकर बंगलादेश की कमर तोड़ दी। बंगलादेश की तरफ नजमुल शान्तो ने सर्वाधिक 30 और शाकिब अल हसन ने नाबाद 23 रन बनाये।

एक नजर

सोनिया संसदीय दल की बैठक को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी बुधवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में पार्टी संसदीय दल की बैठक को संबोधित करेंगी। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि यह बैठक राज्य सभा के 12 सदस्यों के निलम्बन के मद्देनजर आयोजित की जा रही इस बैठक में सरकार को घेरने की रणनीति पर विचार होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निलम्बन वापस लेने को लेकर कड़ा रुख अपना दिया है और कांग्रेस तथा विपक्षी दल भी सरकार के खिलाफ ज्यादा हमलावर हो गये हैं। इस बैठक में आगे की रणनीति पर विचार होने की उम्मीद है।

किसानों से जुड़े सवाल का जवाब नहीं दे रही सरकारः राहुल

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार किसानों के साथ मजाक कर रही है और संसद में भी किसानों से जुड़े सवालों के जवाब नहीं दे रही है। कांग्रेस नेता ने मंगलवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान किसानों से जुड़े मुद्दे पर सवाल उठाये और कहा कि सरकार उनके द्वारा उठाए गये सवालों को टाल गई। श्री गांधी ने ट्वीट किया, कृषि-अन्याय पर मैंने संसद में सवाल किए कि क्या शहीद किसानों के परिजनों को मुआवज़ा मिलेगा। क्या सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विचार कर रही है और कोविड से किसानी पर क्या असर पड़ा। पहले दो सवाल वे खा गए और तीसरे का ये जवाब दिया है 'महामारी में किसानी सुचारु रूप से चलती रही।' क्या मज़ाक़ है।

जल जीवन मिशन के तहत पंजाब को 402 करोड़ रुपए मिले

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश में ग्रामीण क्षेत्र के हर घर को नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत पंजाब को 2021-22 के लिए जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन के वास्ते 1,656.39 करोड़ रुपए की केंद्रीय निधि आवंटित की है। जल शक्ति मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार ने पंजाब में जल जीवन मिशन को लागू करने और उसमें तेजी लाने के लिए पंजाब को 402.24 करोड़ रुपये जारी किए हैं। राज्य में 2021-22 के लिए जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन को लेकर उसे 1,656.39 करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि आवंटित की गई जो 2020-21 में आवंटित हुई रकम का लगभग चार गुना ज्यादा है। राज्य में 34.41 लाख ग्रामीण परिवार हैं जिनमें से परिवारों 91.68 फीसदी लोगों के पास नल के पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। वर्ष 2021-22 में राज्य की 8.69 लाख ग्रामीण परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन देने की योजना है।

गांधी का भारत गोडसे के भारत में बदल रहा हैः महबूबा

नई दिल्ली,एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर तगड़ा प्रहार किया और कहा कि 'गांधी का भारत गोडसे के भारत' में बदल रहा है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक प्रयोगशाला था और प्रदेश में जो कुछ हुआ, वह पूरे देश में होने की आशंका है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ऐसा लगता है, जैसे गांधी का भारत गोडसे के भारत में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, वे एक लोकतांत्रिक सरकार नहीं चला रहे हैं। वे एक औपनिवेशिक मानसिकता वाली सरकार चला रहे हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को एक प्रयोगशाला बनाई है, जो वहां हो रहा है, वही देश के बाकी हिस्सों में भी किया जा रहा है। हमें बोलने की भी अनुमति नहीं है, यहां तक कि अगर हम शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना चाहते हैं, तो हमें अपने घरों में नजरबंद कर दिया जाता है। सुश्री महबूबा ने कहा, कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद वहां सब कुछ ठीक है, स्थिति में सुधार नहीं हुआ है, बल्कि पहले बदतर हो गयी है।

एयरोस्पेस की दुनिया में भारत की एक और कामयाबी, नौसेना वर्जन की मिसाइल दागी

- वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का चांदीपुर में परीक्षण सफल
- यह प्रणाली हवाई खतरों के खिलाफ नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता बढ़ाएगी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने मिसाइल परीक्षणों की श्रृंखला में मंगलवार को स्वदेशी रूप से विकसित नौसेना वर्जन की वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण करके एयरोस्पेस की दुनिया में एक और कामयाबी हासिल की। मिसाइल लॉन्च करने से पहले बालासोर जिले के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) के पास का इलाका खाली करा लिया गया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रणाली हवाई खतरों के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आज दोपहर 3:08 बजे बालासोर जिले के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) के लॉन्च पैड नंबर 3 से स्वदेशी रूप से विकसित नौसेना वर्जन की वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया। इसे युद्धपोत से हवा में रक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और भारतीय नौसेना को वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली हवाई खतरों के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी।

आज हुए प्रक्षेपण की निगरानी डीआरडीएल, आरसीआई, हैदराबाद और आरएंडडी इंजीनियर्स, पुणे जैसे सिस्टम के डिजाइन और विकास में शामिल विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। परीक्षण के दौरान उड़ान मार्ग और वाहन के प्रदर्शन मापदंडों की निगरानी उड़ान डेटा का उपयोग करके की गई। परीक्षण के लिए विभिन्न रेंज उपकरणों रडार, ईओटीएस और टेलीमेट्री सिस्टम को आईटीआर, चांदीपुर ने तैनात किया गया था। वर्तमान परीक्षणों ने हथियार प्रणाली की प्रभावशीलता को साबित कर दिया है और भारतीय नौसेना के जहाजों पर तैनाती से पहले कुछ और परीक्षण किए जाएंगे। एक बार तैनात होने के बाद यह प्रणाली भारतीय नौसेना के लिए बहु उपयोगी साबित होगी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल विकसित की है जिसमें सतह से हवा में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता है। इसमें टर्मिनल चरण में फाइबर ऑप्टिक जाइरोस्कोप और सक्रिय रडार होमिंग के माध्यम से मध्य-पाठ्यक्रम जड़त्वीय मार्गदर्शन की सुविधा है। मिसाइल में लॉन्च से पहले लॉक ऑन (एलओबीएल) और आफ्टर लॉन्च लॉक ऑन क्षमता (एलओएएल) के लिए डेटलिंक के माध्यम से मिड-कोर्स अपडेट की सुविधा है। वीएल-एसआरएसएएम भारतीय नौसेना के नौसैनिक प्लेटफार्मों से लंबवत रूप से लॉन्च होने में सक्षम है। इसका उद्देश्य भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर पुराने बराक-1 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को बदलना है। इसका उपयोग भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के लिए कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली के रूप में किया जाएगा।

वीएल-एसआरएसएएम चार क्वॉसिफॉर्म शॉर्ट-स्पैन लॉन्ग-कॉर्ड विंग्स के साथ एस्ट्रा मार्क-1 एयर टू एयर मिसाइल पर आधारित है। प्रत्येक वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (वीएलएस) हॉट लॉन्च के लिए चालीस मिसाइलों को पकड़ सकता है और एक जहाज पर कई लॉन्च सिस्टम स्थापित किए जा सकते हैं। वीएल-एसआरएसएएम मध्यम और करीबी दूरी पर विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए है, जिसमें लड़ाकू लक्ष्य और समुद्री-स्किमिंग एंटी-शिप मिसाइल शामिल हैं। यह एकल बिंदु एकीकृत समाधान के रूप में कार्य करता है जिसमें 360 डिग्री घूमने क्षमता के साथ विभिन्न दिशाओं से हवाई लक्ष्यों का पता लगाना शामिल है। मिसाइल प्रणाली के डिजाइन और विकास में रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर), अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) और कुछ निजी क्षेत्र के उद्योग विकास सह उत्पादन भागीदार कार्यक्रम के रूप में शामिल थे। इससे पहले डीआरडीओ ने 22 फरवरी को ओडिशा तट पर वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल के दो सफल परीक्षण किये थे। पहले प्रक्षेपण ने ऊर्ध्वाधर प्रक्षेपण प्रणाली, मिसाइल की अधिकतम और न्यूनतम सीमा की प्रभावशीलता का परीक्षण किया। दोनों मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को पिन पॉइंट सटीकता के साथ सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ को बधाई दी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सतह से हवा में मार करने वाली वर्टिकल शार्ट रेंज मिसाइल के सफल परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा नौसेना को बधाई दी है। श्री सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के परीक्षण से हवाई खतरों से निपटने में नौसेना की क्षमता में बढोतरी होगी। मिसाइल का मंगलवार को ओडिशा के तट पर चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफल परीक्षण किया गया। मिसाइल को बहुत कम ऊंचाई पर स्थित इलेक्ट्रॉनिक लक्ष्य को ध्वस्त करने के लिए वर्टिकल लांचर से दागा गया था।

सरकारी संसाधनों पर श्रमिकों का पहला हकः मनोहर लाल

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को कहा कि देश की तरक्की उद्योग पर निर्भर है। देश का उद्योग रेलवे पर निर्भर है। रेलवे का पहिया श्रमिक के कारण घूमता है। श्रमिक देश और समाज के असली निर्माता हैं। 19वीं शताब्दी की औद्योगिक क्रांति के समय उद्योगों के विकास में रेलवे का महत्वपूर्ण योगदान है। देश की तरक्की उद्योगों से, उद्योगों की तरक्की रेलवे और रेलवे की तरक्की श्रमिकों से हुई। देश की तरक्की श्रमिकों पर निर्भर है। सरकारी संसाधनों पर मजदूरों का पहला अधिकार है। मुख्यमंत्री ने यह बात भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के हरियाणा राज्य श्रमिक पंजीकरण उद्घाटन समारोह में कही। समारोह में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता और बिजली मंत्री रणजीत सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में किसानों के साथ श्रमिकों की आय दोगुनी करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। हरियाणा में असंगठित मजदूरों का पंजीकरण हो रहा है। आज से हरियाणा में कार्यरत भारतीय रेलवे माल गोदाम के श्रमिकों का पंजीकरण भी होगा। पंजीकरण के बाद इन लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निर्माण, प्रवासी मजदूरों, दुकानदारों, मछुआरे और अन्य सभी असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण हो रहा है। यह प्रक्रिया पूर्ण हो जाने पर इनके लिए स्वास्थ्य, बच्चों की पढ़ाई, रोजगार, मकान और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की सुविधा मिलेगी। इसके लिए 22 योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने श्रमेव जयते योजना शुरू करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि श्रम ही जीवन है। ईमानदारी और सच्चाई से काम करने वाले की जीत होती है। श्रम से ही समाज आगे बढ़ता है। गरीबों के उत्थान के लिए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना शुरू की गई है। अभी तक साढ़े तीन लाख परिवारों का डाटा मिला है। इनकी आय एक लाख रुपये से कम है। ऐसे परिवारों तक सरकार के 18 विभागों की 40 से ज्यादा योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अंत्योदय ग्रामोदय मेले लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए लगातार कार्य कर रही है। हरियाणा में लड़कियों के लिंगानुपात में काफी सुधार हुआ है। पहले 1 हजार लड़कों पर 853 लड़कियां थीं लेकिन अब 913 लड़कियां हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आंकड़े को 950 तक करना सरकार का लक्ष्य है।

शहरों में अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू करना महत्वपूर्ण : नीति आयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा है कि भारतीय विकास के भविष्य को देखते हुए शहरीकरण बहुत महत्वपूर्ण और शहरों में कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को लागू करना बहुत आवश्यक है। श्री कुमार ने देशभर के शहरों में अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रियाओं पर एक संग्रह पुस्तक का विमोचन करते हुए सोमवार देर शाम को कहा कि स्वच्छता के लिए जन आंदोलन बहुत आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपशिष्ट के स्रोत पृथक्कीकरण और समग्र अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों के महत्व को भी समझना होगा। संग्रह में शामिल प्रक्रियाओं को द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों में अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट को ऊर्जा में बदलने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाना चाहिए। इस अवसर पर नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि ठोस अपशिष्ट का कुशल प्रबंधन करना शहरीकरण की महत्वपूर्ण चुनौती होगी। उन्होंने स्रोत पर पृथक्कीकरण को बढ़ावा देने और अपशिष्ट प्रबंधन की जरूरत पर जोर दिया। पुस्तक में 28 शहरों की अपशिष्ट प्रबंधन की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं का संकलन है। यह संग्रह विकासशील शहरों के लिए नए विचार, रणनीति, संस्थागत प्रबंधन, प्रौद्योगिकियों और तौर-तरीकों के बारे में है। इसमें लद्दाख के लेह से केरल के अलाप्पुझा तक, मध्य प्रदेश के इंदौर से लेकर ओडिशा के ढेंकनाल तक और सिक्किम के गंगटोक से गुजरात के सूरत तक 15 राज्यों के 28 शहरों में श्रे?ठ प्रक्रियाओं का संग्रह किया गया है।

किसानों का इंकलाब होगा, बाइस में बदलाव होगा: अखिलेश

मेरठ,एजेंसी। सपा-रालोद की संयुक्त परिवर्तन संदेश रैली में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार उप्र से भाजपा का सफाया हो जाएगा। पश्चिम उप्र में भाजपा का सूरज डूब जाएगा। अखिलेश ने नारा देते हुए कहा कि किसानों का इंकलाब होगा, बाइस में बदलाव होगा। दबथुआ में आयोजित परिवर्तन संदेश रैली को रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने संबोधित किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और भाकियू संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को याद किया। कहा कि पश्चिम उप्र की क्रांतिकारी धरती ने चौधरी चरण सिंह और महेंद्र सिंह टिकैत जैसे लोगों को जन्म दिया, जिन्होंने किसानों और जनता के हित में काम किया तथा इस क्रांतिकारी धरती के किसानों को जगाया। अखिलेश ने कहा कि पहली बार इतना बड़ा जनसैलाब देख रहा हूं, जो बता रहा है कि इस बार भाजपा का सूरज डूबेगा। जनता भाजपा को हमेशा के लिए पश्चिम से खदेड़ देगी। लोगों का उत्साह बता रहा है कि किसानों का इंकलाब होगा और 2022 में बदलाव होगा। भाजपा सरकार पर करारे प्रहार करते हुए अखिलेश ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की भलाई के लिए कुछ नहीं कर रही है। एमएसपी पर ठोस फैसला होना चाहिए। हम किसानों को उनका हक दिलाएंगे। भाजपा के मंत्री ने किसानों को कुचल दिया। किसानों का मान छीना गया है तो उन्होंने भाजपा को हराने का मन बना लिया है। उप्र में इस समय किसानों को खाद नहीं मिल रही है। कोरोना काल में ऑक्सीजन के लिए लाइन में लगना पड़ा। अब लाइन में लगकर भाजपा को बाहर करेंगे। सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि हवाई जहाज बेच दिए। एयरपोर्ट बेच दिए। बंदरगाह बेच दिए। कहा था कि चप्पल पहनने वाले को हवाई जहाज पर बैठा देंगे। कितने चप्पल वाले हवाई जहाज पर बैठ गए हैं? योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि बुलडोजर वाले अपने बुल को नहीं संभाल पा रहे। इनके पास मुद्दे नहीं है। वे हमारे बीच मे खाईं पैदा करते हैं।

महंगी बिजली पर उन्होंने कहा कि बिजली बिल से लोगों को करंट लग रहा है। उप्र में नौजवान बदलाव चाह रहे हैं। सरकार बनने पर हम उम्मीद से ज्यादा राहत देंगे। इस बार उप्र में परिवर्तन होकर रहेगा। अखिलेश यादव ने पेट्रोल-डीजल की महंगाई पर कहा कि आज मोटरसाइकिल चलाना भी भारी हो गया है। भाईचारे को मजबूत करने लिए रालोद-सपा के कार्यकर्ता साथ में खड़े हैं। सपा सरकार में अपने बजट से किसानों को पैसा दिया था। सरकार बनने पर किसानों को भुगतान किया जाएगा। गरीब लोगों को बिजली बिल से राहत देंगे। परिवर्तन संदेश रैली की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह ने और संचालन रालोद जिलाध्यक्ष मतलूब गौड ने किया। इस अवसर पर रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी, राजेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय मीडिया संयोजक सुरेंद्र शर्मा, पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, डॉ. राजकुमार सांगवान, राहुल देव, आदिल चौधरी, प्रमोद त्यागी आदि उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार पर करारे प्रहार करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की भलाई के लिए कुछ नहीं कर रही है

देश में कोरोना की स्थिति में सुधार, सक्रिय मामले घटे

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 6,822 नए मामले सामने आये हैं, जो इससे एक दिन पहले दर्ज हुए 8,306 मामलों के मुकाबले काफी कम है। इसी अवधि में 220 लोगों की जान गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख से घटकर 95,014 हो गई है। कोरोना संक्रमण के 6,822 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 46 लाख 48 हजार 383 हो गई है।

इस दौरान 10004 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ ही महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ 40 लाख 79 हजार 612 हो गई है। गौरतलब है कि पिछले 24 घंटे में इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से 220 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 73 हजार 757 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.27 फीसदी, रिकवरी दर 98.36 फीसदी और मृत्यु दर 1.37 फीसदी है। मंत्रालय के अनुसार, इसी अवधि में 79 लाख 39 हजार 038 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके साथ ही अभी तक 128 करोड़ 76 लाख 10 हजार 590 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। देश में केरल सक्रिय मामलों और मृतकों के

मामलों में अभी भी आगे है।

राज्य में सक्रिय मामले 2,724 घटकर 41,386 हो गये है। राज्य में 5,833 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5086044 हो गयी है। इसी अवधि में 168 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 41768 हो गयी है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 298 घटकर 10,528 रह गये है, जबकि 05 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 141175 हो गया है। वहीं 811 और मरीजों के कोरोना मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 6487593 हो गयी है।

कोविड टीकाकरण में 128.76 करोड़ टीके लगे

नई दिल्ली। देश में कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत पिछले 24 घंटे के दौरान 79.39 लाख से अधिक कोविड टीके लगाये गये हैं और इसके साथ ही कुल टीकाकरण 128.76 करोड़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटों में देश में 79 लाख 39 हजार 38 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके साथ ही आज सुबह सात बजे तक 128 करोड़ 76 लाख 10 हजार 590 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड संक्रमण के 6822 नए मामले सामने आए हैं। यह 558 दिन में सबसे कम है। देश में अभी 95 हजार 14 कोविड रोगियों का इलाज चल रहा है। यह संक्रमित मामलों का 0.27 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.63 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान 10004 कोविड रोगी स्वस्थ हुए हैं। अभी तक तीन करोड 40 लाख 79 हजार 612 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.36 प्रतिशत है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफर करते ही जनता को समर्पित हो जाएगी कानपुर मेट्रो

कानपुर,एजेंसी। बीते माह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर मेट्रो के ट्रायल रन का शुभारंभ किया था। उस दौरान मुख्यमंत्री ने साफ कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। इसी माह के अंत में प्रधानमंत्री का कानपुर दौरा भी प्रस्तावित है। ऐसे में पूरी संभावना है कि प्रधानमंत्री मेट्रो का सफर कर कानपुर मेट्रो का उद्घाटन करेंगे और इसके बाद जनता के लिए मेट्रो चला दी जाएगी। हालांकि अभी तिथि को लेकर संशय है पर सूत्रों के अनुसार 28 दिसम्बर को प्रधानमंत्री मेट्रो के पहले यात्री बनेंगे।

कानपुर मेट्रो परियोजना की आधारशिला दो वर्ष पूर्व नवम्बर माह में रखी गई थी और दो साल के अंदर पहले चरण का कार्य पिछले माह 10 नवम्बर को पूरा हो चुका था। जिसके तहत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसी दिन ट्रायल रन का शुभारंभ किया था। शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री ने कानपुर वासियों को आश्वासन दिया था कि नये साल से जनता मेट्रो का तुफ्त

उठा सकेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि इसके पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेट्रो का शुभारंभ करेंगे। इसको लेकर मेट्रो अधिकारी तभी से तैयारी कर रहे हैं और दिसम्बर माह के अंत में प्रधानमंत्री का कानपुर दौरा भी प्रस्तावित है। ऐसे में पूरी संभावना है कि प्रधानमंत्री मेट्रो में सफर शुभारंभ करेंगे। इस बात की पुष्टि मेट्रो के सूत्र भी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री 28 दिसम्बर को शहर के निराला नगर में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे और उससे पहले मेट्रो का शुभारंभ करेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कानपुर दौरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मुख्य रूप से कानपुर मेट्रो के उद्घाटन, आईआईटी के दीक्षांत समारोह और जनसभा को संबोधित करने के लिए आ रहे हैं। अधिकारियों ने तैयारियों को तेज कर दिया है। उद्घाटन के बाद ही मेट्रो पब्लिक के लिए शुरू कर दी जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील बजाज ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कानपुर दौरा पहले 25 दिसम्बर को अटल जयंती के मौके पर प्रस्तावित था। लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते 28 दिसम्बर तिथि तय की गई है। वहीं मेट्रो रेल प्रबंधन के डीजीएम पीआर पंचानन मिश्रा के अनुसार मेट्रो के उद्घाटन की तैयारी के लिए भी 28 तारीख ही दी गई है। हालांकि अभी तारीखों को लेकर मंथन उच्च स्तर पर चल रहा है। रेलवे के सहायक मंडल अभियंता एनएन मीणा ने बताया कि 28 दिसम्बर को निराला नगर स्थिति रेलवे मैदान को जनसभा के लिए आरक्षित किया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)